हिन्दी व्याकरण - 1

पाठ—1. हमारी भाषा

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. भौं....भौं।

2. रोकर।

3. कोई आया है।

4. बोलकर व लिखकर।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) रँभाकर।

2. (ii) बोलकर।

3. (iii) इशारा करके।

(ब) 1. सही

2. गलत

3. सही

4. गलत

(स) 1. (i) लिखित।

2. (ii) मौखिक।

3. (iii) सांकेतिक।

सोचो जरा सोचो: ☆ सुनकर व देखकर ☆ हिन्दी

अब करके देखिए:- गिन्नी तोता > कुत्ता > मोर > बन्दर > बिल्ली >..... के रास्ते फलों तक पहुँचेगी।

पाठ—2. वर्ण से बनी वर्णमाला

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वर्ण।

2. वर्णों के समूह से।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) दो।

2. (iii) न स्वर न व्यंजन।

3. (ii) क्ष।

(ब) अ आ इ **ई उ** ऊ, **ऋ** ए ऐ **ओ** औ **अं, क** ख **ग** घ ड़ **च, त** थ द **ध** न **प, फ** ब भ **म** य **र**।

(स) अं— अंगूर, प— पतंग, अ— अनार, त— तरबूज, ऐ— ऐनक, ट— टमाटर।

सोचो जरा सोचो: ☆ अ की ☆ घड़-घड़-घड़

अब करके देखिए: छात्र स्वयं करें।

पाठ—3. स्वरों के निशान (मात्राएँ)

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. प्रत्येक स्वर के लिए निश्चित निशान को,

2. शब्द बदल जाता है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (iii) कोई नहीं।

2. (i) ा।

3. (iii) ु।

4. (i) ै।

(ब) 1. सही।

2. गलत।

3. सही।

4. गलत।

(स) सेब, चूहा, मछली, गुलाब।

सोचो जरा सोचो: ☆ क्योंकि ये व्यंजन में मिली होती है ☆ ओ की मात्रा का।

अब करके देखिए: आ, इ, ई उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अँ।

पाठ—4. शब्द बनाइए

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वर्णों के मेल से।

2. जिनका अर्थ होता है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) टमाटर।

2. (iii) शब्द।

3. (ii) चार।

(ब) 1. (i) माँ। **2.** (i) भवन।

3. (iii) लड़का। 4. (ii) अजगर।

(स) 1. सैनिक 2. भवन
3. मटर 4. खरगोश।

सोचो जरा सोचो: ☆ हाँ
☆ हम पढ़ और लिख नहीं पाते।

अब करके देखिए: छात्र स्वयं करें।

ऊपर-नीचे: छात्र स्वयं करें।

पाठ—5. नाम वाले शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. कई प्रकार के।
2. संज्ञा।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) फलों के नाम: केला, संतरा, सेब, पपीता।
व्यक्तियों के नाम: मोहन, श्याम, राम, सोमेश।
शहरों के नाम: जोधपुर, आगरा, दिल्ली, भरतपुर।
सब्जियों के नाम: आलू, बैंगन, गाजर, करेला।
पशुओं के नाम: ऊँट, शेर, चीता, हाथी।

(स) 1. (i) व्यक्ति।
2. (ii) वस्तु।
3. (iii) पक्षी।
4. (i) फल।

सोचो जरा सोचो: ☆ किसी की पहचान न होती ☆ ओय.....अरे....ओ.आदि करके।

अब करके देखिए: बांए से दांए 1 कमल, 2 छाता, 3 तरबूज 4 जहाज।

ऊपर-नीचे— 5 कबूतर, 6 मछली, 7 सूरज, 8 हाथी।

पाठ—6. नामों की जगह शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. सर्वनाम।
2. तुम, तुम्हें, तुम्हारा, तुमसे आदि शब्दों का प्रयोग करके।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) नाम की। 2. (ii) सर्वनाम।
3. (iii) आप। 4. (i) मैं।

(ब) 1. तुम्हारा-आप-उसका।
2. मेरी-उसका-मैं।
3. तुम-उसे-उसकी।
4. मुझे-यह-हमारा।

सोचो जरा सोचो: ☆ नाम लेकर, जैसे-मोहन के घर जाता है।

अब करके देखिए: मेरा....मैंने....तुम्हें....तुम.... मैं....तुम्हारे....हम....मुझे....हमें...।

पाठ—7. कितने और कैसे बताने वाले शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. विशेषता। 2. विशेषण।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) बहुविकल्पीय

1. विशेषण।
2. मीठे।
3. घना।

(ब) 1. चॉकलेट (iii) मीठी।
2. करेला-(iv) कड़वा।
3. फुटबॉल-(v) गोल।
4. सेब-(ii) लाल।
5. आम-(i) मीठा।

सोचो जरा सोचो: ☆ शुद्ध, गरम व मीठा।
☆ छात्र स्वयं करें।

अब करके देखिए: छात्र-छात्रा सेब, केला, अमरूद, संतरा, आम आदि जो भी लायेंगे उसका आकार व स्वाद बतायेंगे, जैसे- सेब का आकार गोल व स्वाद मीठा/खट्टा होता है।

पाठ—8. काम बताने वाले शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. कुछ न कुछ काम।
2. बहता है तथा गिरता है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) खा। **2.** (iii) तैर।
3. (iii) उड़। **4.** (ii) देखते।

(ब) **1.** पढ़ा।
2. गा।
3. गिन।
4. चला।
5. बना।

सोचो जरा सोचो: ☆ अपने आप ☆ सोते हैं, उठते हैं, खाना बनाते हैं, खाना खाते-खिलाते हैं, पढ़ते है, पढ़ाते हैं, बाजार जाते-आते हैं, पूरा करते हैं, नहाते हैं, नहलाते हैं आदि।

अब करके देखिए: 15 अगस्त को छात्र-छात्रा स्कूल बैग नहीं ले जाते क्योंकि इस दिन को स्कूल में पढ़ाई नहीं होती, ध्वजारोहण और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, इसलिए केवल तिरंगे झण्डे ले जाना चाहेंगे।

पाठ—9. पुरुष-स्त्री

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. पुरुष या स्त्री जाति में।
2. पुरुष या स्त्री जाति बताने वाले शब्द-रूप।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) पुरुष। **2.** (ii) बैल।
3. (iii) लिंग। **4.** (ii) पुल्लिग।

(ब) **1.** लड़का-(iii) लड़की।
2. दादा-(iv) दादी।
3. मोर-(i) मोरनी।
4. राजा-(ii) रानी।

(स) **1.** बकरी।
2. भाई।
3. मुर्गा।
4. चाचा।
5. नानी।

सोचो जरा सोचो: ☆ अपने आप

☆ स्वयं लिखिए- छात्र(लड़का) है तो पुल्लिंग और छात्रा(लड़की) है तो स्त्रीलिंग लिखिए।

☆ छात्र-छात्र अपने परिवार के अनुसार स्वयं लिखें, जैसे- पुल्लिंग सदस्य, पापाजी, चाचाजी, भईया आदि।

☆ मादा तोता और कबूतरी/मादा कबूतर

अब करके देखिए: स्वयं कीजिए।

पाठ—10. एक-अनेक

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. एक और अनेक की जानकारी देने वाले शब्द-रूपों को,
2. पुरुष या स्त्री जाति बताने वाले शब्द-रूप।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) लड़कियाँ। **2.** (ii) सेब।
3. (iii) कपड़े। **4.** (i) चश्मा।

(ब) एक-चाँद, जूता, तितली, घोड़ा, पत्ता, बस्ता। अनेक-तारे, चाबियाँ, पंखे, छाते, खिलौने, गुब्बारे।

(स) बहुवचन, एकवचन, एकवचन, एकवचन, बहुवचन, बहुवचन।

सोचो जरा सोचो: ☆ मेरी कक्षा एक में एक से अधिक बच्चे हैं।

☆ छात्र-छात्रा अपने बस्ते में से गिनकर स्वयं रखवायेंगे, जैसे- मेरे बस्ते में चार किताबें और पाँच कॉपियाँ हैं।

अब करके देखिए: कविता को स्वयं गायेंगे और बतायेंगे कि मेरे शरीर में दो हैं- आँखें, नथुने, होंठ, कन्धे, बाहें, कान, भौंहें, कोहनियाँ, हाथ, अँगूठे।

पाठ—11. वाक्य

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. गलत।
2. शब्दों के सही मेल से।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) सही वाक्य है।
2. (iii) यह वाक्य नही है।
3. (iii) नानी ने कहानी सुनाई।
4. (i) वाक्य।

(ब) 1. कबूतर।
2. चाय।
3. आम।
4. नीबू।
5. सूरज।

(स) 1. डॉली गीत गा रही है।
2. रोहन किताब पढ़ रहा है।
3. माँ शैली को उठा रही है।
4. चिड़िया उड़ रही है।

सोचो जरा सोचो: ☆ नहीं, क्योंकि हम अपना मतलब नहीं समझा पायेंगे।
☆ "मम्मी मुझे भूख लगी है" वाक्य बोलकर।

अब करके देखिए: 1 रंग, 3 केले, 4 मन्दिर, 5 पूजा, फल, ऑक्सीजन।

पाठ—12. गिनती

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. अंकों को क्रमश: बोलने-लिखने को।
2. अंग्रेजी अंकों को।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. 2-२ **2.** 4-४
3. 5-५ **4.** 7-७

(ब) 1. ९ **2.** ६
3. ५ **4.** ३
5. ८ **6.** ४

सोचो जरा सोचो: ☆ तीस अंकों तक।
☆ **जीवन मूल्य—**सोते हैं, उठते हैं, बैठते हैं, खाना बनाते हैं, पढ़ते हैं, पढ़ाते हैं, बाजार जाते-आते है, पूजा करते हैं, नहाते हैं, नहलाते हैं आदि।

अब करके देखिए: स्वयं कीजिए।

पाठ—13. आओ, कहानी लिखें

स्वयं पढ़िये।

पाठ—14. श्रवण कौशल गतिविधि

(अ) 1. वीर बच्चों से।
2. अपने झण्डे को।
3. झण्डों से।
4. पहाड़ की ऊँचाई और शेर की दहाड़ से न डरकर आने वाली कठिनाइयों के सामने डटे रहने के लिए कह रहा है।

(ब) कक्षा में शिक्षक/शिक्षिका पूछें।

जाँच पत्र - 1

(अ) 1. (iii) इशारा करके।
2. (iii) शब्द।
3. (iii) विशेषण।

(ब) 1. गलत। **2.** सही।
3. सही। **4.** गलत।

(स) 1. मौखिक। **2.** आप।
3. काम। **4.** विशेषता।

(द) 1. वाक्य। **2.** वचन।

(य) स्थान- मथुरा, आगरा तथा पार्क।
वस्तु- किताब, कॉपी तथा पेंसिल।

जाँच पत्र - 2

(अ) 1. (ii) सर्वनाम। **2.** (ii) बैल।
3. (ii) चार।

(ब) 1. गलत। **2.** गलत
3. सही। **4.** सही।

(स) 1. बहुवचन। **2.** दो।
3. वर्णमाला। **4.** वर्ण।

(द) 1. कपड़े धोती है, खाना बनाती हैं, स्कूल के लिए मुझे तैयार करती है, मेरा गृहकार्य कराती है आदि।
2. हर जगह नाम लेकर बोलते जो बड़ा अजीब लगता।

(य) कहानी पुस्तक के पेज 61 पर है याद करके स्वयं लिखिए।

❑❑

हिन्दी व्याकरण - 2

पाठ—1. हमारी भाषा

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. मन की बात एक-दूसरे तक पहुँचाने के माध्यम को।
2. सांकेतिक।
3. लिखित व मौखिक।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) लिखकर। **2.** (ii) इशारा करके।
3. (iii) मौखिक। **4.** (i) बकरी।

(ब) **1.** इशारा करके। **2.** भौं.....भौं।
3. देखकर। **4.** पढ़कर।

(स) **1.** लिखित। **2.** मौखिक।
3. मौखिक। **4.** लिखित।

(द) **1.** म्याऊँ... म्याऊँ।
2. कुकुडूँ...कूँ।
3. मैं...मैं।
4. चीं...चीं।

सोचो जरा सोचो: ☆ हम अपने मन की बात एक-दूसरे तक नहीं पहुँचा पाते।
☆ रँभाकर ☆ बोलकर।

अब करके देखिए-

1. नेताजी जनता से नमस्ते कह रहे हैं।
2. बच्चा आइसक्रीम दिलाने के लिए कह रहा है और माँ उसे आइसक्रीम के नुकसान समझा रही है।

पाठ—2. वर्ण से बनी वर्णमाला

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. ध्वनियाँ।
2. दो प्रकार।
3. 52 वर्ण।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) वर्ण। **2.** (ii) 44।
3. (iii) 33। **4.** (i) वर्णमाला।

(ब) **1.** -> (v)।
2. -> (iii)।
3. -> (iv)।

(घ) **1.** -> (i)।

(ड़) **1.** -> (ii)।

(स) **1.** **स्वर**- अ, ई, उ, ऐ, ओ, ऋ।
व्यंजन- घ, ट, ब, ल, श, ह।

(घ) **1.** कमल। **2.** लड़की।
3. राजा। **4.** जल।

सोचो जरा सोचो: ☆ वर्ण 'छ' स्वतन्त्र है और 'क्ष' वर्ण क् और ष से मिलकर बना संयुक्त व्यंजन है।
☆ स्वर और व्यंजन दोनों ही वर्ण हैं।

अब करके देखिए- अ, उ, ओ, ग, ज।
ट्+अ, ध्+अ, ब्+अ, र्+अ, ह्+आ।

पाठ—3. स्वरों के निशान: मात्राएँ

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. मात्रा।
2. अ।
3. विसर्ग।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) क। **2.** (ii) अं।
3. (iii) ँ। **4.** (i) प्रातः।

(ब) **1.** कौन। **2.** मछली।
3. मोर। **4.** मगर।

(स) **1.** ी
2. ं
3. ौ
4. रू

सोचो जरा सोचो:

☆ दो-एक मूल स्वरूप तथा दूसरा मात्रा स्वरूप।

☆ नहीं, क्योंकि किसी भी व्यंजन का उच्चारण करने पर अन्त में अ की ध्वनि अथवा उस पर लगी माता की ध्वनि आती है।

अब करके देखिए- कौआ, बटेर, उल्लू, तोता, मोर, मैना, कबूतर, हंस।

पाठ—4. शब्द बनाइए

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वर्णों का सही जगह पर प्रयोग किया जाता है।
2. वर्णों के सार्थक मेल से।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) वर्णमाला। **2.** (i) वर्णों के।
3. (iii) घर। **4.** (i) अमर।

(ब) **1.** अ ज ग र। **2.** क म रा।
3. ट मा ट र। **4.** ब क री।
5. उ प व न। **6.** क ल म।

(स) **1.** त्रिशूल। **2.** श्रमिक।
3. वृक्ष। **4.** ज्ञानी।

सोचो जरा सोचो:

☆ छात्र-छात्रा अपने नाम के अनुसार शब्द **स्वयं लिखें**, जैसे— सचिन (1 शब्द), सचिन कुमार/सचिन शर्मा/सचिन सिंह (2 शब्द) तथा सचिन कुमार गुप्ता/ सचिन सिंह जादौन (3 शब्द)।

अब करके देखिए: घर। कलम। पतंग। अमरूद। नारियल। तरबूज।

घ	क	प	अ	ना	त
ड़ी	म	हा	ल	श	ल
	ल	ड़	मा	पा	वा
			री	ती	र

पाठ—5. नाम वाले शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. संज्ञा प्राणी, वस्तु, स्थान आदि के नाम को कहते हैं।
2. नाम प्राणियों अर्थात् व्यक्तियों, पशुओं, पक्षियों, जीव-जन्तुओं, वस्तुओं, स्थानों, दिनों, नदियों, पर्वतों, देशों, नगरों आदि के होते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) नदी। **2.** (ii) स्थान का।
3. (iii) मकड़ी। **4.** (i) स्थान।

(ब) **1.** फूल। **2.** भगवान।
3. माँ। **4.** कार।

(स) **1.** **प्राणी**- लड़की, लड़का, महिला, आदमी, कुत्ता, पतंगवाला, फलवाला।
2. **वस्तु** - जूता, पतंग टोकरियाँ, फल- आम व अमरूद, मेज, खिलौने- गुड्डा, तोतागाड़ी, पेड़-पौधे।
3. **स्थान**- बाजार, दुकानें।

सोचो जरा सोचो:

☆ छात्र स्वयं लिखें; जैसे- मेरे देश का नाम उत्तरप्रदेश है, जिले का नाम मथुरा, मौहल्ले का नाम कृष्णा नगर है तथा घर का नाम श्यामसदन है।

☆ इन नामों से पहचान होती है।

अब करके देखिए- डॉली को पेड़ तक जाने के लिए फूल → तोता → मंदिर → चिड़िया → बकरी → गाय → साँप → कम्प्यूटर संज्ञा-शब्दों की सहायता लेनी है।

पाठ—6. नामों की जगह शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. संज्ञा।
2. तुम और आप।
3. दूसरे के लिए - पास होने पर।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (iii) सर्वनाम। **2.** (i) तुम्हें।
3. (ii) इसे। **4.** (i) मैं।

(ब) **1.** → (iii)।
2. → (v)।
3. → (iv)।
4. → (ii)।
5. → (i)।

(स) **1.** आप। **2.** हम।
3. यह। **4.** मैं।

सोचो जरा सोचो:

☆ झगड़ा करते वक्त व किसी का अपमान करते वक्त।

☆ आप, आपने, आपका आदि।

अब करके देखिए: तुम, तुझे, आपका, मैं, अपना, उसका, यह, मेरा, वह।

पाठ—7. कैसे और कितने बताने वाले शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. संज्ञा या सर्वनाम
2. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (iii) विशेषण। **2.** (iii) दोनों की।
3. (ii) हरा। **4.** (i) मूर्ख।

(ब) आम-मीठा, कौआ-काला, किताब-दो।
गुलाब-लाल। बिल्ली-चालाक।
किसान-मेहनती।

(स) **1.** कड़वा, अच्छा। **2.** लाल, सुन्दर।
3. छोटा, पाँच। **4.** मेहनती, ज्यादा।

सोचो जरा सोचो:

☆ स्वच्छ (पारदर्शी)

☆ स्वच्छ, शीतल, सुगन्धित, मन्द, तेज, गर्म आदि।

अब करके देखिए— सुंदर → रसीला → हरा → लंबा → बालपन → नंगा।

पाठ—8. काम बताने वाले शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. क्रिया।
2. काम के होने तथा करने में बताने वाले शब्दों को।
3. बारिश होना तथा हवा चलना।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) क्रिया। **2.** (ii) तैरती है।
3. (i) तैरता है। **4.** (i) अपने आप।

(ब) **1.** पीना। **2.** खाना।
3. नाचना। **4.** लिखना।

(स) **1.** जा रहा है। **2.** खेल रहे हैं।
3. दौड़ता है। **4.** उड़ा रहा है।

सोचो जरा सोचो:

☆ नदी अपने आप बहती है और हम अपने पैरों से चलते हैं।

☆ हम ये काम रोज करते हैं- सोना, उठना, खाना, पीना, नहाना, धोना, पढ़ना, आना, जाना, खेलना, कूदना, हँसना, रोना साफ-सफाई करना आदि।

अब करके देखिए— हमको सेब खाना है। इसके लिए हमें अपनी मम्मी के साथ बाजार जाना होगा और फलों की दुकान से सेब खरीदने होंगे। घर लाकर सेब को साफ पानी से धोना होगा। अच्छी तरह से धोने के बाद एक सेब को सावधानी पूर्वक चाकू से काटकर उसके टुकड़े एक प्लेट में रखने होंगे। इसके बाद सेब की एक-एक फाँक उठाकर खायेंगे।

पाठ—9. पुरुष-स्त्री

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री-जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।
2. लिंग दो प्रकार के होते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) पुल्लिंग। **2.** (i) बछिया।
3. (ii) मोरनी। **4.** (i) जीजी।

(ब) पुल्लिंग- तोता, देवता, बैल, लड़का;
स्त्रीलिंग- कोयल, गाय, लड़की, देवी।

(स) **1.** औरत। **2.** शेर।
3. राजा। **4.** बकरी।
5. मुर्गा।

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ सभी प्राणियों में पुल्लिंग व स्त्रीलिंग होते हैं।

☆ मादा कौआ तथा नर कोयल।

अब करके देखिए: छात्र-छात्रा स्वयं बनायेंगे।

पाठ—10. एक-अनेक

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या का पता चले, उसे वचन कहते हैं।

2. दो।

3. कन्याएँ।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) बहुवचन। **2.** (ii) लताएँ।
3. (iii) वचन। **4.** (ii) रसगुल्ला।

(ब) **1.** पंखा। **2.** भौंरे।
3. मोमबत्ती। **4.** तोते।

(स) **1.** पतंगे। **2.** बतखें।
3. चूहा। **4.** मछली।

(ब) **एकवचन—**घोड़ा, लड़का, पुस्तक, माता, माला, बकरी।

बहुवचन—रसगुल्ले, आँखें, घोड़े, मक्खियाँ, रोटियाँ, झूले।

सोचो जरा सोचो:

☆ 'बाल' तथा 'पक्षी' का वचन "बहुवचन" है क्योंकि हमारे सिर पर बाल एक से अधिक अर्थात् अनेक होते हैं और पेड़ एक से अधिक हैं और उन पर पक्षी भी एक से अधिक ही हैं।

अब करके देखिए: घड़ी-एक, दरवाजा,-एक, परदे-अनेक, गुलदस्ते-अनेक, बैग-एक, खिड़की-एक, खिलौने-अनेक, पुस्तकें अनेक।

पाठ—11. समान अर्थ वाले शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. एक जैसा अर्थ बताने वाले शब्द।

2. नेत्र, नयन, चक्षु।

3. पवन, वायु, समीर।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) बादल। **2.** (ii) वार।
3. (iii) नीर। **4.** (iii) (i) व (ii) दोनों।

(ब) **1.** आग, अग्नि। **2.** नदी, सरिता।
3. घर, सदन। **4.** पहाड़, पर्वत।

(स) **1.** पेड़, वृक्ष। **2.** फूल, पुष्प।
3. चन्द्रमा, राकेश।
4. कमल, पंकज।

सोचो जरा सोचो:

☆ छात्र-छात्रा स्वयं करें; जैसे- दिवाकर और सूरज। मयंक = चाँद तथा राकेश = चाँद।

अब करके देखिए:

1. प **क्षी**, **2.** भ **व** न,
3. पु **स्तक**, **4.** नि **शाक** र।

ऊपर से नीचे:

1. प **हाड़**, **2.** न **यन**,
3. पु **ष्प**, **4.** दि **नक** र।

पाठ—12. उलटे अर्थ वाले शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. एक-दूसरे का उलटा अर्थ बताने वाले शब्द।

2. सूरज **सुबह उदय** होता है और शाम को **अस्त** हो जाता है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (iii) विपरीतार्थक या उलटा अर्थ वाले शब्द।
2. (i) दु:ख।
3. (ii) गरीब।
4. (ii) एक।

(ब) **ठंडा-गरम**। बुराई-भलाई। आना-जाना। नया-पुराना। गुण-अवगुण। प्रेम-घृणा।

(स) 1. पतला। 2. रोना।
3. हलका। 4. बड़ा।
5. नीचे। 6. ठण्डा।

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ, क्योंकि पुरुष-स्त्री(लिंग) भी एक-दूसरे के विपरीत होते हैं।

अब करके देखिए: रात। सीधा। बाहर। आकाश। उत्तर। मित्र। जीत। सच। आज। जाना।

पाठ—13. वाक्य

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वर्णों, शब्दों तथा वाक्यों की।
2. शब्दों के सार्थक मेल को।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) वाक्य।
2. (iii) जाता हूँ मैं।
3. (ii) वाक्य।
4. (iii) शब्दों का सार्थक समूह।

(ब) 1. → (ii)।
2. → (iii)।
3. → (iv)।
4. → (i)।

(स) 1. लोमड़ी बहुत चालाक होती है।
2. बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं।
3. बारिश हो रही है।
4. लड़की फोन कर रही है।

सोचो जरा सोचो:

☆ लिखित भाषा नहीं होती।

☆ हाँ, एक शब्द का भी वाक्य हो सकता है। इसे "एक शब्द वाक्य" या "वाक्य शब्द" कहा जाता है। यह एक ऐसा वाक्य होता है जिसमें केवल एक शब्द होता है, लेकिन वह एक पूर्ण विचार या भाव व्यक्त करता है, जैसे—'आओ', 'हाँ', 'नहीं', 'चुप', 'रुको', आदि एक शब्द वाक्य है इनका उपयोग अक्सर भावनाओं, आज्ञाओं या प्रतिक्रियाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है।

कुछ और उदाहरण

आज्ञा : 'चलो'
प्रतिक्रिया : 'हाँ' या 'नहीं'
विस्मय: 'वाह!'

अब करके देखिए: हमारी परीक्षा चल रही है। सभी बच्चे शान्त हैं। अध्यापिका कक्षा में घूम रही है। सभी बच्चे लिख रहे हैं।

पाठ—14. आओ, कहानी लिखें

आओ करें—

करके देखिए:

(अ) चित्र की जगह शब्द— हाथी...दर्जी...हाथी ...नदी...दर्जी...दुकान.....दर्जी.....हाथी ...केला...हाथी...दर्जी.....कमल का फूल ...दर्जी...लड़का...हाथी...दुकान....दर्जी. ....लड़के...सूँड़...सुई....हाथी....सूँड़.... दुकान....दर्जी...लड़के..।

(ब) **रिक्तस्थानमेंशब्द—**कुत्ता....सड़क....रोटी .....मुँह....घर....नदी.....पुल.....पानी..... परछाई.....टुकड़ा.....लालच.....छीनने.... भौंका....गिर....गँवा।

पाठ—15. श्रवण कौशल गतिविधियाँ

सुनिए, समझिए और बताइए।

(अ) 1. सूरज। 2. चिड़िया।
3. अँधेरा। 4. धरती का।
5. अँधेरा का।

(ब) **1.** बहुत-से।

2. एक बच्चा।

3. अगले दिन सुबह मैं बाँग नहीं दूँगा।

4. सभी लोग समय पर उठकर अपने-अपने काम में लग गये।

5. किसी के बिना कोई काम नहीं रुकता।

जाँच पत्र – 1

(अ) **1.** (ii) 44।

2. (i) प्रातः।

3. (ii) स्थान का।

(ब) **1.** सही। **2.** गलत।

3. गलत। **4.** सही।

(स) **1.** देखकर। **2.** सार्थक।

3. पुल्लिंग। **4.** आप।

(द) **1.** **ये काम रोजाना करते हैं**- सोना, उठना, खाना, पीना, नहाना, धोना, पढ़ना, लिखना, आना, जाना, खेलना, कूदना, हँसना, रोना, साफ-सफाई करना आदि।

2. **छात्र स्वयं लिखें;** जैसे- मेरे देश का नाम भारत है, प्रदेश का नाम उत्तरप्रदेश है, जिले का नाम मथुरा, मौहल्ले का नाम कृष्णा नगर है तथा घर का नाम श्यामसदन है।

(य) **प्राणियों के नाम**- महेश, गाय, मोर, सीमा, मछली।

स्थानों के नाम- आगरा, स्कूल, मन्दिर, पार्क, लालकिला।

जाँच पत्र – 2

(अ) **1.** (i) मैं।

2. (i) रसगुल्ला।

3. (ii) एक।

(ब) **1.** गलत। **2.** गलत।

3. सही। **4.** सही।

(स) **1.** वाक्य। **2.** सात।

3. विलोम। **4.** दो।

(द) **1.** लिखित भाषा नहीं होती।

2. पेंसिल या कलम की।

❑❑

हिन्दी व्याकरण - 3

पाठ—1. हमारी भाषा

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल): • भाषा है। • बोलकर तथा लिखकर। • सुनकर और पढ़कर

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) लिखित भाषा [✓]
2. (ii) राजभाषा [✓]
3. (iii) 14 सितम्बर को [✓]
4. (iii) देवनागरी [✓]

(ब) **1.** [×] **2.** [✓]
3. [×] **4.** [×]
5. [✓]

(स) राजस्थान–राजस्थानी।, गुजरात–गुजराती।, बंगाल–बंगाली।, महाराष्ट्र–मराठी।, पंजाब–पंजाबी।

(द) लिखित भाषा।, सांकेतिक भाषा।, सांकेतिक भाषा।, मौखिक भाषा।

सोचो जरा सोचो:

☆ नेत्रहीन व्यक्ति अपने हाथ या पैरों की अंगुलियों से सांकेतिक भाषा की ब्रेल लिपि को छू करके पढ़ते हैं।

☆ हाँ, मातृभाषा हिन्दी ही होगी क्योंकि उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली खड़ीबोली, ब्रजभाषा, अवधी आदि हिन्दी भाषा की ही बोलियाँ (उपभाषा) हैं।

अब करके देखिए– बच्चो! इसे आप स्वयं करें।

पाठ—2. वर्ण से बनी वर्णमाला

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. हाँ..बता सकते हैं कि कार –घर्र..घर्र' और 'पौं..पौं' ध्वनि करती है।
2. वर्ण।
3. स्वर का।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (ii) वर्ण, [✓]
2. (ii) वर्ण [✓]
3. (iii) अयोगवाह [✓]
4. (iv) श्र [✓]

(ब) **1.** गुलाब, **2.** चन्दन/चंदन,
3. आदर, **4.** सेब।

(स) **1.** प्रात–(ii)ः। **2.** मूछ–(iii)ँ।
3. कापी–(iv)ॅ। **4.** मंगल–(i)ं।
5. मा–(iii)ाँ। **6.** डाक्टर–(iv)ॅ।
7. बंदर–(i)ं। **8.** अतः–(ii)ः

(द) **1.** जानवर : हाथी, – शेर।
2. फल : सेब, – केला।
3. सब्जी : बैंगन, – मूली।
4. रंग : काला, – सफेद।

सोचो जरा सोचो:

☆ कुकर की सीटी –सी...ई...सी...ई' की आवाज करती है और इसका अर्थ होता है कि दाल, चावल या सब्जी पक गयी हैं।

☆ व्यंजन में जो स्वर या अयोगवाह होता है उसकी ध्वनि आती है जैसे; क = क्..अ, पा = प्..आ, मि = म्..इ, ची = च्..ई, सु = स्..उ, नू = न्..ऊ, के = क्..ए, बै = ब्..ऐ, जो = ज्..ओ, दौ = द्..औ, वृ = व्..ऋ,

(ii) अयोगवाह: झं = झ्..अं, तः = त्..अः, हँ = ह्..अँ, डॉ = ड..ऑ। क्योंकि व्यंजन का उच्चारण स्वतन्त्र रूप से नहीं होता।

अब करके देखिए–

1. **स्वर:** अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।
2. **व्यंजन:** क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज,

झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, ष, स, ह।

पाठ—3. शब्द और वाक्य

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वर्णों के सार्थक मेल से।,
2. वाक्य।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) शब्द [✓]
2. (iii) हींन [✓]
3. (ii) शब्दों का [✓]
4. (iv) प्रवीण घूम रहा है। [✓]

(ब) 1. गुलाब। 2. रजाई।
3. सड़क। 4. जोकर।
5. शरबत। 5. बरसात।

(स) 1. पिताजी। 2. पढ़ता।
3. डॉक्टर। 4. तिरंगा।

(द) 1. राम घर जाता है।
2. चंचल कार से आई।
3. लड्डू मीठा है।
4. नायरा अच्छी लड़की है।

(य) अमन [रोटी, घोड़ा, साइकिल, कार, रस्सी, कुत्ता, अमरूद, खरगोश]; शैली [कलम, मित्र, बंदर, पतंग, भालू, आम, आलू, शेर]

सोचो जरा सोचो:

☆ बड़ी कठिनाई से संकेतों द्वारा

अब करके देखिए—

दादी - पुस्तक, टीना - कप, मम्मी- पंखा, अमित - खाना।

दादी - नल, टीना - लट्टू, मम्मी - टमाटर, अमित - रथ। इस प्रकार आप कक्षा में खेल सकते हैं।

पाठ—4. संज्ञा

देखिए, पढ़िए और समझिए

उत्तर: ● राजू, रीना, चाचा, चाची, प्रथम व प्रवेश। ● जलमहल ● झील ● महल ● पहाड़ ● हरियाली ● ऊँट ● प्रसन्नता ● खिलौनेवाला ● बच्चों के लिए ● आइसक्रीम ● खुशी से बचपन ● कूड़ेदान ● सफाई के लिए।

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. व्यक्ति, पशु, पक्षी आदि।
2. प्रसन्नता व खुशी का।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) मिठास [✓]
2. (ii) व्यक्ति को [✓]
3. (iii) मीठा [✓]
4. (iv) संज्ञा [✓]

(ब) 1. [✓] 2. [×]
3. [✓] 4. [×]
5. [✓]

(स) 1. रमन बचपन गरीबी।
2. ऋतु दुकान फल।
3. भारत पक्षी मोर।
4. अर्चना गीत मिठास।
5. शशांक खेल क्रिकेट।

(द) 1. नाम। 2. खेतों।
3. दिल्ली। 4. ध्वज।
5. बचपन।

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ, हम देख सकते हैं।

☆ हरकत व क्रिया-कलाप से।

अब करके देखिए—

1. दिल्ली।
2. आप जिस प्रदेश में रहते हैं उसमें; जैसे - मध्यप्रदेश।
3. आप जिस प्रदेश में रहते हैं उसकी राजधानी; जैसे- मध्य प्रदेश की भोपाल।

पाठ—5. सर्वनाम

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

2. सरल और सुन्दर हो जाती है।
3. प्रश्न पूछने के लिए।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. वह [✓], आप [✓]
2. मैं [✓], उसे [✓]
3. उन्हें [✓], उसके [✓]
4. मेरे [✓], तुम [✓]
5. कौन [✓], यह [✓]

(ब) 1. पिंजरे में चिड़या है और वह दाना खा रही है।
2. मयंक ने अपने पिताजी से पैसे मांगे।
3. यश ने कहा–मुझे खाना दो।
4. सोनल ने सीमा से कहा कि वह बहुत अच्छी लड़की है।

(स) 1. मेरे।
2. कौन।
3. किसकी।
4. मेरी।

सोचो जरा सोचो:

☆ अपने अनुभव के आधार पर छात्र स्वयं करें।

अब करके देखिए- तुम, हम, वे हमें, अपने–अपने, वह क्या, ये, क्या, क्या, तुम, हम।

पाठ—6. विशेषण

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. विशेषता।
2. विशेषण।
3. दोनों।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) हरी [✓]
2. (iii) लम्बा [✓]
3. (iii) ताजे [✓]
4. (iv) वफादार [✓]
5. (ii) चालाक [✓]

(ब) 1. (i) रसीले (ii) मीठे।
2. (i) स्वादिष्ट (ii) गरम,
3. (i) सुन्दर (ii) ताजा।

सोचो जरा सोचो:

☆ मैं सुन्दर हूँ। ☆ अच्छी, भोली, प्यारी, आदि।

अब करके देखिए-

1. सुन्दर।
2. भोला या भोली।
3. होशियार।
4. स्वार्थी।
5. अमीर या गरीब आदि।

पाठ—7. क्रिया

देखिए, पढ़िए और समझिए—

1. हो रही है।
2. छाता लिया।
3. बरसाती पहनी।
4. नाच रहे हैं।
5. चल रही है।

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. क्रिया काम के करने या होने को कहते हैं।
2. नहीं, संज्ञा है।
3. क्रिया के बिना।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) क्रिया [✓]
2. (i) हवा चलना [✓]
3. (iv) i व ii दोनों [✓]
4. (iv) गा रही हैं [✓]
5. (ii) सोना [✓]

(ब) 1. बना।
2. खेलते।
3. है।
4. खिल।
5. उड़।

(स) **1.** तैरना।
2. नाचना।
3. पढ़ना।
4. सोना।

सोचो जरा सोचो:

☆ नदी अपने आप बहती है और बस ड्राइवर द्वारा चलती है।

☆ हाँ, बल्व रोशनी देता है।

अब करके देखिए— भौंकना, पढ़ना, तैरना, उड़ना, खेलना, गिरना, सोना, नाचना।

पाठ—8. लिंग

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. क्रिया से।
2. क्रिया से।
3. लिंग पुरुष या स्त्री जाति का बोध करने वाले शब्दों को कहते हैं। ये दो प्रकार के होते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (ii) जाती [✓]
2. (iii) कटोरा [✓]
3. (iv) राष्ट्रपति [✓]
4. (i) दो [✓]

(ब) **1.** – (iv)। **2.** –(iii)।
3. – (i)। **4.** – (ii)।

(स) **1.** लड़का नाच रहा है।
2. अध्यापिका पढ़ा रही है।
3. राष्ट्रपति आ रहीं हैं।
4. शेरनी दहाड़ रही है।
5. सेठानी हँस रही है।

(द) **पुल्लिंग—** कमरा,, लेखक, पर्दा, शिक्षक, फूफा;
स्त्रीलिंग— खिड़की, चादर, नानी, मोरनी, मेज।

सोचो जरा सोचो:

☆ नर मछली व नर कोयल पुल्लिंग तथा मादा कौआ स्त्रीलिंग होंगे।

अब करके देखिए- जैसे- मम्मी, पापा, कुत्ता, चिड़िया, घर, कक्षा आदि में पुल्लिंग: पापा, कुत्ता, घर तथा स्त्रीलिंग: मम्मी, चिड़िया कक्षा।

पाठ—9. वचन

देखिए, पढ़िए और समझिए

- बंदर-एक, पतंग-एक, फब्बारा-एक, बच्चे-एक से अधिक (6) फूल-एक से अधिक (5) झूले-एक से अधिक (2), चिड़ियाँ-एक से अधिक (2), पार्क-एक, पेड़-एक से अधिक।

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वचन।
2. दो।
3. बहुवचन।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (ii) बहुवचन [✓]
2. (i) बहुवचन [✓]
3. (iii) पानी [✓]
4. (iv) दर्शन [✓]
5. (ii) मालाएँ [✓]

(ब) **1.** छात्र। **2.** बच्चे।
3. केले। **4.** चिड़ियाँ।
5. गए।

(स) **1.** एकवचन। **2.** बहुवचन।
3. बहुवचन।

सोचो जरा सोचो:

☆ क्योंकि हस्ताक्षर में एक से अधिक अक्षर होते हैं, आँसू में एक से अधिक बूँदें होती हैं और बाल भी एक से अधिक होते हैं।

अब करके देखिए- एकवचन: माला, कमरा, आँख, घोड़ा, पुस्तक।

बहुवचन: मालाएँ, कमरे, आँखें, घोड़े, पुस्तकें।

पाठ—10. पर्यायवाची शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. समानार्थी शब्द या पर्यायवाची शब्द।

2. पर्यायवाची शब्द समान अर्थ बताने वाले अलग-अलग शब्दों को कहते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. पवन [✓]
2. रवि [✓]
3. लोचन [✓]
4. खग [✓]
5. बगीचा [✓]

(ब) 1. पर्वत, पहाड़।
2. आग, अग्नि।
3. नदी, सरिता।
4. पक्षी, खग।
5. उद्यान, बगीचा।
6. घर, गृह।

(स) 1. बारिश, बरसात बरखा।
2. पंकज, नीरज, जलज।
3. माता जननी, अंबा।
4. संसार, जग, जगत।

सोचो जरा सोचो:

☆ पापा, बाबूजी, तातश्री आदि
☆ भवन, मकान, आदि तथा पाठशाला, शिक्षामन्दिर आदि।

अब करके देखिए—

1. सूरज, सूर्य।
2. आँख, नेत्र।
3. माँ, माता।
4. आग, अग्नि।
5. पानी, जल।

पाठ—11. विलोम शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. विपरीतार्थक या विलोम शब्द।
2. हाँ।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (iv) (ii) व (iii) दोनों [✓]
2. (i) रात [✓]
3. (iii) गर्मी [✓]

(ब) 1. कुरूप। 2. मरण।
3. दूर। 4. पराजय।
5. विष। 6. अस्त।

(स) 1. अधर्म। 2. पीछे।
3. मीठा। 4. मूर्ख।
5. दु:ख।

सोचो जरा सोचो:

☆ नहीं, क्योंकि जय का अर्थ जीत होता है और अजय का अर्थ जीता न जाने वाला होता है। जीत का विलोम शब्द हार होता और हार को पराजय भी कहते हैं। अत: जय का विलोम शब्द पराजय होता है।
☆ यदि दिन के बाद रात न होती तो दिन भी नहीं होता क्योंकि दिन का अस्तित्व रात के साथ ही होता है। दिन और रात के स्थान पर हम उस स्थिति को प्रकाश बने रहना कहते हैं।

अब करके देखिए—

1. पास। 2. सफल।
3. लड़का। 4. काला।
5. लाभ। 6. भरा।
7. रात।

पाठ—12. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

- जंगली।
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) परोपकारी [✓]
2. (ii) दैनिक [✓]
3. (iii) स्वदेशी [✓]
4. (iv) ग्रामीण [✓]
5. (iv) सहपाठी [✓]

(ब) 1. -दुकानदार। 2. -पुस्तकालय।
3. -लुहार। 4. -डॉक्टर।
5. -अमर।

सोचो जरा सोचो:

☆ रसोईघर।

☆ हम संक्षेप में अपनी बात कहते हैं तथा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हैं।

अब करके देखिए—

बाएँ से दाएँ—

1. पत्रकार। 2. चिकित्सक।
3. असंभब। 4. अमर।

ऊपर से नीचे—

1. परिश्रमी। 2. चित्रकार।
3. अमूल्य। 4. अनाथ।

पाठ—13. मुहावरे

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. दो तरीके से कह सकते है—
(i) साधारण तथा (ii) विशेष।
2. मुहावरा कहते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (ii) मुहावरा [✓]
2. (i) बहुत प्यारा होना [✓]
3. (iii) लाल-पीला होना [✓]

(ब) 1. नौ दो ग्यारह होना।
2. भीगी बिल्ली बनना।
3. लाल-पीला होना।
4. आँख का तारा होना।

(स) 1. - (iv)। 2. - (v)।
3. - (ii)। 4. - (iii)।
5. - (i)।

(द) 1. क्रिकेट विश्वकप में पाक्तिस्तान को भारत से **मुँह की खानी** पड़ी।
2. महेश एक धमकी में **भीगी बिल्ली बनकर** बैठ गया।
3. सौरभ की नई कार **हवा से बातें करती** है।
4. मैं हर काम में अपने पिता का **हाथ बटाता** हूँ।

सोचो जरा सोचो:

☆ मूर्ख या बेवकूफ बनाकर।

☆ हमें बहुत तेज चलना होगा।

अब करके देखिए— आँखों का तारा, नाक में दम करना, मुँह की खाना, गाल बजाना, कलेजा मुँह को आना, छाती पर साँप लोटना, पेट पर लात मारना, पीठ दिखाना, अँगूठा दिखाना।

पाठ—14. अशुद्धि-संशोधन

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल)

- जैसा बोला जाता है वैसा ही लिखा जाता है।
- वर्णों तथा मात्राओं के उच्चारण का।

अब लिखिए (लेखन कौशल)

(अ) 1. हृदय [✓]
2. कृपया [✓]
3. रुपया [✓]

(ब) 1. बच्चे को दूध गरम करके दो।
2. दाल में कुछ पड़ा है।

(स) 1. शृंगार ,
2. दोबारा, 3. डॉक्टर,
4. आवाज।

सोचो जरा सोचो: ☆ क्रस्न में क् + र + स् + न, कृष्न में क् + ऋ + ष् + न, कृश्न में क् + ऋ + श् + न, क्रस्ण में क् + र + स् + ण, कृष्ण में क् + ऋ + ष् + ण तथा कृशण में क् + ऋ + श् + ण उच्चारण के आधार पर अंतर है।

अब करके देखिए :

छात्र कक्षा में स्वयं करें।

पाठ—15. पत्र-लेखन

आओं करें—

छात्र व छात्रा अपने अपने अनुसार क्रिया का प्रयोग कर लिखेंगे—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. पत्र, टेलीग्राम, टेलीफोन, मोबाइल, एस.एम.एस., वाट्सएप, मैसेंजर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स आदि।
2. पत्र।

1. 2/38 मानसरोवर
जयपुर (राजस्थान)
दिनांक: 12 अप्रैल 20XX
आदरणीया दीदी
सादर प्रणाम!
हम सब यहाँ स्वस्थ और प्रसन्न हैं। आशा करता हूँ/करती हूँ कि आप भी स्वस्थ व प्रसन्न होंगी। इस महीने की 28 तारीख को मेरा जन्म दिन है और मैं चाहता हूँ/ चाहती हूँ कि हर बार की तरह मैं अपना जन्म दिन आपके साथ मनाऊँ। अत: निवेदन है कि आप मेरे जन्म दिवस पर जीजाजी के साथ अवश्य आयें। मम्मी-पापा आपको बहुत याद करते हैं। हम सबको मेरे जन्म दिवस पर आप लोगों के आने का इंतजार रहेगा। शेष कुशल है। जीजाजी को मेरा प्रणाम कहना।
आपका छोटा भाई/ आपकी छोटी बहन
प्रथम / कृष्ण

2. विवेकानंद छात्रावास
सीकर (राजस्थान)
दिनांक: 28 सितम्बर 20XX
पूजनीय पिताजी,
सादर चरणस्पर्श!
आशा है कि घर पर सब स्वस्थ व आनन्द से होंगे। मैं भी यहाँ स्वस्थ व प्रसन्न हूँ। आज मेरी अर्द्धवार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ है जिसमें आपके आशीर्वाद से मेरे 90% अंक आये हैं। इस बार विद्यालय की क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। 02 अक्टूबर को गोयनका पब्लिक स्कूल लक्षमणगढ़ के साथ हमारे विद्यालय का क्रिकेट मैच है। मैं भी अपने विद्यालय की ओर से मैच को खेलने के लिए लक्षमणगढ़ जाना चाहता हूँ/ चाहती हूँ। अत: आप अनुमति प्रदान करने की कृपा करें। आदरणीय माता जी को चरणस्पर्श, दीदी व भैया को प्रणाम।
आपकी अनुमति की प्रतिक्षा में।
आपका पुत्र / आपकी पुत्री
प्रवेश / शिवी

3. 45 कमला निवास
राधा वैली, एन.एन. 2
मथुरा (उ.प्र)
दिनांक: 10 मई 20XX
प्रिय मित्र गौरव / प्रिय सखी काव्या,
नमस्कार!
मैं यहाँ स्वस्थ व सकुशल हूँ तथा आशा करता हूँ / करती हूँ कि तुम भी सपरिवार स्वस्थ व सकुशल होंगे / होंगी। मेरी इच्छा है कि तुम इस बार की गर्मी की छुट्टियों में घूमने के लिए मथुरा आने का कार्यक्रम बनाओ। तुम मथुरा आने की तारीख मुझे शीघ्र से शीघ्र बताना जिससे मैं तुम्हें घुमाने की उचित व्यवस्था कर सकूँ।
अंकल व आण्टी को मेरी तरफ से सादर प्रणाम कहना।
तुम्हारा मित्र / तुम्हारी सहेली
प्रियांक / प्रियंका

4. दिनांक 15.04.20XX
सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी
रोज़वुट पब्लिक स्कूल
लक्ष्मीनगर, जैसलमेर।
विषय:-कक्षा का खराब पंखा सही करवाने के सन्दर्भ में।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि हमारी कक्षा 3 अ के चार पंखों में से पीछे का एक पंखा अचानक चलते-चलते खराब हो गया है जिसे सही कराने की कृपा करें।
आपकी अति कृपा होगी।

आपका आज्ञाकारी शिष्य / आपकी आज्ञाकारी शिष्या
शिवम / शिवानी
कक्षा प्रमुख 3 अ / कक्षा प्रमुख 3 अ

5. 2/54 काला पाठा हनुमान रोड
कैण्ट, गुना (मध्यप्रदेश)
सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी
शासकीय प्राथमिक शाला
हनुमान चौराहा, ए.बी.रोड. गुना (मध्यप्रदेश)
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा 3 अ का छात्र/ की छात्रा हूँ। दिनांक 05 मई 20XX को मेरी बड़ी बहन की शादी है जिसमें जाने के कारण मैं दिनांक 02 मई 20XX से दिनांक 06 मई 20XX तक विद्यालय नहीं आ सकूँगा/सकूँगी। अत: मुझे उक्त चार दिन का अवकाश देने की कृपा करें। आपकी अति कृपा होगी।
सधन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य/ आपकी आज्ञाकारी शिष्या
राम मोहन/शिवानी
कक्षा 3

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ वाट्स-एप तथा ई-मेल पर पत्र सीधे लिखे भी जा सकते हैं और लिखे हुए पत्र पीडीएफ में भेजे जा सकते हैं।

करके देखिए: ये भारतीय डाक का अन्तर्देशीय पत्र तथा पोस्टकार्ड है। इनमें पत्र लिखकर हम अपने मित्र व सगे-सम्बन्धिओं से पत्र-व्यवहार कर सकते हैं। आज की नयी तकनीकी के कारण अब ये दिखाई ही नहीं देते हैं।

पाठ—16. अनुच्छेद-लेखन

आओ करें—

छात्र व छात्रा अपने अनुसार क्रिया का प्रयोग कर लिखेंगे—

(अ) 1. मेरा प्रिय फल—आम मेरा सबसे प्रिय फल है। आम को फलों का राजा कहा जाता है। यह मीठा और स्वादिष्ट होता है। गर्मी के दिनों में चलने वाली आँधी के कारण पेड़ से आम टूटकर जमीन पर गिरते हैं। इनमें से हरा आम कच्चा और पीला आम पक्का होता है। कच्चे आम का अचार बनता है। आम प्राकृतिक रूप से पेड़ पर पकते हैं परन्तु आजकल कच्चे आमों को ही कैमिकल से पका दिया जाता है। जो आम प्राकृतिक रूप से पेड़ों पर पकते हैं वो मीठे, स्वादिष्ट और रसदार होते हैं। मैं पूरी गर्मी कच्चे आम का शरबत पीता हूँ जिससे लू नहीं लगती। आम के मौसम में आमरस व मैंगो शेक मेरा प्रिय पेय पदार्थ है। मुझे आम को काटकर तथा चूसकर खाने में बड़ा मजा आता है।

2. मेरा विद्यालय— मैं अपने गांव के राजकीय विद्यालय में तीसरी कक्षा में पढ़ता/पढ़ती हूँ। मेरे विद्यालय का विशाल भवन साफ-सुथरे वातावरण में स्थित है। यह विद्यालय हमारे प्रधानाध्यापक के कुशल मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है। इस विद्यालय में सम्पन्न, पुस्तकालय, सुसज्जित कक्षा, अनुशासित कक्षा, अनुशासित छात्र-छात्रा तथा योग्य अध्यापक हैं। मेरे विद्यालय के छात्र हर वर्ष की परीक्षा में प्रदेश स्तर की मेरिट में आते हैं। यहाँ के विद्यार्थी देश-विदेश में बड़े-बड़े पदों पर काम करते हुए इस विद्यालय का

नाम रोशन कर रहे हैं। मुझे गर्व है कि मेरा विद्यालय है में इसमें पहली कक्षा से पढ़ रहा/पढ़ रही हूँ।

3. **मैं दौड़ में प्रथम आया**— मेरे विद्यालय में जिला स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा था। मैं पहली बार अपने विद्यालय की ओर से दौड़ प्रतियोगिता में भाग ले रहा था/ रही थी। जिले के सभी स्कूलों के छात्र-छात्रा इस प्रतियोगिता में भाग लेने आये थे। मेरा मन घबरा रहा था। मेरे मित्र मेरा हौंसला बढ़ा रहे थे। मेरी सहेलियाँ मेरा हौंसला बढ़ा रहीं थी। जब मेरी 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता का नम्बर आया तब मैं साहस करके ट्रैक पर जाकर खड़ा/ खड़ी हो गया/गयी। जैसे दौड़ शुरू होने के संकेत में मुझे सीटी की आवाज सुनाई दी मैं पूरी ताकत से दौड़ पड़ा/ पड़ी। थोड़ी ही देर में सबसे आगे था/थीं और टच लाइन पर सबसे पहले पहुँचा/ पहुँची। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था। कि मैंने इस दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। जिलाधिकारी महोदय ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिया। मेरे विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा प्रधानाचार्य ने मुझे बधाई दी।

4. **वृक्ष बचाओ**— जिस तरह हमारे जीवन के लिए भोजन व पानी जरुरी हैं उसी प्रकार वृक्ष भी जरुरी हैं। वृक्ष प्रकृति द्वारा दिया गया अनमोल वरदान है। वृक्ष हमें शुद्ध हवा देते हैं। वृक्ष से हम ताजे फल प्राप्त करते हैं। इनकी लकड़ी हमारे भोजन बनाने के काम आती है। पशु-पक्षी तथा मनुष्य इनकी छाया में आराम करते हैं। पक्षी इनकी डाली पर घोंसला बनाकर निवास करते हैं वृक्षों की हरियाली से पृथ्वी का वातावरण सुन्दर हो जाता है। वृक्षों से ही हमारी ध रती पर वर्षा होती है। यह वृक्ष हमारी तथा इस पृथ्वी की रक्षा करते हैं। इनकी जड़ें भूमि के कटान को रोकती हैं। अगर वृक्ष न हो तो धरती की मिट्टी पानी के बहाव में अपना स्थान छोड़ देगी। वृक्ष हमारे लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि वृक्ष के बिना पृथ्वी पर जीवन ही समाप्त हो जायेगा। अत: हमें वृक्ष काटने नहीं चाहिए बल्कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए वृक्ष बचेंगे तो हम भी बचेंगे।

(ब) 1. स्कूल में पहला दिन— मेरे पिता का ट्रांसफर गुना से शिवपुरी हो गया था इसलिए मुझे पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय आईटीबीपी शिवपुरी में इस वर्ष अप्रैल में कक्षा 3 में प्रवेश लेना पड़ा था। इस नए स्कूल में पहले दिन गया / गयी तो मैं बहुत डरा हुआ था / डरी हुई थी। मैंने सुना था। कि बड़े छात्र-छात्रा छोटी कक्षा के छात्र-छात्राओं के साथ पहले दिन मजाक करते हैं परन्तु मेरा डर गलत साबित हुए। मेरे साथ किसी ने भी कोई मजाक नहीं किया बल्कि मेरा नाम पूछा और मुझसे हाथ मिलाया। कक्षा, पुस्तकालय, वाशरूम आदि बताने में मेरी सहायता की। इस प्रकार स्कूल में मेरा पहला दिन हंसी-खुशी से बीता। मुझे लगा ही नहीं कि ये मेरा नया विद्यालय है।

2. **मेरा घर**— अपने परिवार के साथ रहने वाले स्थान को घर कहते हैं। मेरा घर कोटा राजस्थान में है। मेरे घर में चार हवादार कमरे हैं। इनके अलावा

एक हॉल, एक रसोई, भण्डार और दो बाथरूम है। बड़े हॉल में ही किनारे पूजा का स्थान हैं जहाँ हम पूजा-पाठ करते हैं। मेरे घर में कुल सात सदस्य हैं। मेरे घर में एक नलकूप भी है जिससे पानी की पर्याप्त व्यवस्था रहती हैं घर हमारे लिए बहुत ही अनिवार्य है इसलिए इसमें हमारी आवश्यकता की हर सुविधाएँ उपलब्ध रहती है। यह सर्दी, गर्मी, व बरसात से हमारी सुरक्षा करता है। मुझे मेरा घर बहुत पसंद है क्योंकि हम कहीं भी चले जायें लौटकर घर में ही आते हैं।

3. **मेरी पहली रेलयात्रा**— मैं इस बार गर्मी की छुट्टियों में घूमने के लिए अपने माता-पिता के साथ जयपुर गया। वहाँ जाने के लिए पापा ने पहले से ही रेल की टिकट बुक करा ली थी। यह मेरी पहली रेल यात्रा थी। यात्रा वाले दिन हम तैयार होकर रेलवे स्टेशन पहुँच गये। रेल अपने सही समय पर आई और हम उसमें आसानी से चढ़कर अपनी सीट पर बैठ गए। रेल अपने समय पर चल दी। मैं खिड़की के किनारे बैठ गया/गयी तो पिताजी ने खिड़की से बाहर हाथ न निकालने के लिए कहा। यह मेरे लिए बहुत ही अनोखा अनुभव था इसलिए अपने हाथ बांधकर खिड़की से बाहर पीछे की ओर भागते पहाड़, पेड़-पौधे, बस्ती, हरे-भरे लहलहाते खेत देखता रहा/देखती रही। मेरा मन खुशी से झूम रहा था। जैसे ही कोई स्टेशन आता रेलगाड़ी रूक जाती और चाय तथा अन्य सामान बेचने वालों का शोर हो जाता। हम खाना खाकर अपनी-अपनी बर्थ पर सोने के लिए चले गये। मैं ऊपर वाली बर्थ पर चला गया/ चली गयी। ट्रेन की आवाज मेरे मन को भा रही थी। थोड़ी देर में मुझे नींद आ गई और अगली सुबह जब मेरी आँख खुली तो हम जयपुर पहुँज चुके थे। यह मेरे जीवन की पहली रेलयात्रा थी, इसे मैं कभी नहीं भूल पाऊँगा / पाऊँगी।

4. **जनवरी की सुबह का दृश्य**— जनवरी के महीने में अत्यधिक सर्दी व कोहरा पड़ता है। कोहरे के कारण कुछ ट्रेनें भी केंसिल कर दी जाती है। स्कूलों में विंटर वेकेशन हो जाती है। इसलिए हम देर तक रजाई में दुबके रहते हैं। एक दिन शाम को हमने अपने दोस्तो /सहेलियों के साथ सुबह घूमने का कार्यक्रम बनाया। दूसरे दिन सुबह 6 बजे हम सब अपने घर के पास पार्क में इकट्टा हुए तो हमने देखा कि पार्क की घास पर ओस की बूदें पड़ी हुई थीं। चारों तरफ कोहरा इतना था कि हमें आस-पास के मकान व पेड़-पौधे दिखाई नहीं दे रहे थे। यहाँ लोग कई बार सामने से आने वाली साईकिल व गाय-भैंस से टकराते-टकराते बचे थे। अत्यधिक ठंड के कारण हम काँप रहे थे और हमारे दाँत किटकिटा रहे थे। सूरज देवता के दूर दूर तक दर्शन नहीं थे। इस स्थिति में हमें समय का अंदाजा भी नहीं हो पा रहा था कि अचानक पार्क के घण्टाघर की घड़ी ने आठ घण्टे बजाकर हमें आठ बजने की जानकारी दी तो हमें विश्वास ही नहीं हुआ क्योंकि वहाँ का वातावरण अभी भी सुबह के 6 बजे जैसा दिखाई दे रहा था। हम घर वापस आकर फिर से रजाई में घुस गये और धूप निकलने का इंतजार करते रहे पर पूरे दिन धूप नहीं निकली।

पाठ—17. कहानी-लेखन

आओ करें—

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. एक टोपीवाला टोपी बेचने प्रतिदिन शहर से आस-पास के गाँवों में जाता था। उन गाँवों के रास्ते में एक घना जंगल भी पड़ता था। जहाँ वो गाँव से लौटते समय दोपहर को प्रतिदिन एक घने पेड़ के नीचे आराम करता था। आज भी आस-पास के गाँवों में टोपी बेचने के बाद दोपहर को वापस लौटते समय जब वो अपनी टोपी की गठरी को सिराने रखकर उस जंगल में एक घने पेड़ के नीचे आराम कर रहा था तब अत्यधिक थकान होने के कारण उसको नींद आ गई। उस पेड़ के ऊपर बहुत सारे बंदर बैठे हुए थे। उस टोपी वाले को सोता देख उन बन्दरों ने उसकी गठरी से टोपियाँ निकाल ली और पेड़ के ऊपर जाकर खेलने लगे। जब उस टोपी वाले की आँख खुली तब उसने देखा कि उसकी गठरी बिखरी हुई है और उसमें से टोपियाँ निकाल कर बन्दर पेड़ के ऊपर उन टोपियों को पहनकर बैठे हुए हैं। उन्हें देख कर टोपी वाले को एक उपाय सूझा। सबसे पहले नीचे बिखरी हुई टोपियों को इकट्ठा कर लिया और उनमें से एक टोपी पहन ली और थोड़ी देर बाद उसने वो टोपी अपने सिप पर से उतारकर जमीन में फेंक दी। ऐसे उसने दो-तीन बार किया। उसकी देखादेखी बन्दरों ने भी अपने सिर से टोपी उतारकर नीचे फेंक दीं। टोपीवाले ने झट से सारी टोपियाँ समेट ली और गठरी में बाँधकर शहर की ओर चल दिया।

शिक्षा - बुद्धि से असंभव भी संभव हो जाता है।

(ब) जंगल...मेहनती..कड़ी..टिड्डा...बहाना..इकट्ठा...बारिश...व्यवस्था...भूखा..वापस...समझाया..मदद...भीगता...।

(स) नदी किनारे एक खरगोश रहता था। उसे अपनी तेज चाल पर घमण्ड था। उसने कछुए को दौड़ के लिए ललकारा। कछुए ने उसकी चुनौती को स्वीकार कर लिया। दोनों ने दौड़ना शुरू किया कछुआ धीमी चाल से चलते हुए बहुत पीछे रह गया और खरगोश तेज दौड़ते हुए बहुत आगे निकल गया। खरगोश ने सोचा कि कछुआ तो बहुत पीछे है, उसे यहाँ तक आने में काफी समय लगेगा तब तक मैं इस पेड़ के नीचे थोड़ा आराम कर लेता हूँ। ठंडी हवा चलने के कारण उसकी आँख लग गई और वह वहीं पर सो गया। कछुआ अपनी धीमी गति से लगातार चलता रहा और अपने निश्चित स्थान पर जाकर रुका। खरगोश जागने पर तेज दौड़ता हुआ जब निश्चित स्थान पर पहुँचा तब वहाँ कछुए को देखकर लज्जित हुआ।

पाठ—18. अपठित गद्यांश

आओ करें—

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) कछुआ।

2. (ii) दो हंसों के साथ।

3. (iii) वह इस लकड़ी को बीच में से अपने मुँह से पकड़ ले और रास्ते में बोले नहीं।

4. (ii) मुँह खोला।

5. (i) सरोवर।

(ब) 1. हम भी न होते।

2. पेड़।

3. भोजन यानी फल, फूल, अन्न, दवाइयाँ, कपास, चाय, कॉफी, लकड़ी, रबड़, पानी, रंग-रोगन, इत्र, छाया आदि।

4. पेड़।
5. वृक्ष, तरुवर।

- **श्रवण कौशल गतिविधि:**

सुनिए, समझिए और बताइए।

अब बताइए

1. भूख से।
2. कुछ रोटियाँ।
3. कौआ भूखा नहीं रहा।
4. लोमड़ी ने गाने के लिए कहा।
5. कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हम बार-बार लोगों को धोखा देकर अपना काम नहीं बना सकते।

जाँच पत्र – 1

(अ) 1. बोलकर तथा लिखकर।
2. वर्ण
3. वर्ण तथा चिह्न के रूप में।

(ब) 1. (iii) शब्द [✓]
2. (iii) मीठा [✓]
3. (iii) रोना [✓]

(स) 1. क्रिया। 2. विशेषता।
3. संख्या।

(द) 1. [✓] 2. [×]
3. [✓]

(य) 1. हाँ। 2. नर गिलहरी।
3. कितना और कैसा शब्दों की पहचान है।

जाँच पत्र – 2

(अ) 1. (iii) दिल्ली में [✓]
2. (ii) साप्ताहिक [✓]
3. (iii) वायु [✓]

(ब) 1. नाम। 2. कमल।
3. मुहावरा। 4. औपचारिक।

(स) 1. [×] 2. [✓]
3. [✓] 4. [✓]

(द) 1. संबोधन केवल नाम लेकर ही किया जाता है।
2. विशेषण।
3. क्रिया से।

(य) पाठ 17 कहानी लेखन के (ब) पेज 61 के उत्तर से यहाँ सैट करें।

अथवा

पाठ्यपुस्तक के पेज 69-70 से प्रार्थना पत्र यहाँ सैट करें।

❑❑

हिन्दी व्याकरण - 4

पाठ—1. भाषा और व्याकरण

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. एक-दूसरे तक अपनी बात पहुँचाने का माध्यम।
2. बोलना, सुनना, लिखना और पढ़ना।
3. मौखिक भाषा मुँह से बोली जाती है तथा कानों से सुनी जाती है और लिखित भाषा लिखी जाती है और पढ़ी जाती है।
4. ध्वनियों को लिखने के निर्धारित चिन्हों को लिपि कहते हैं।
5. व्याकरण से।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (iii) सांकेतिक [✓]
2. (i) चार [✓]
3. (ii) मौखिक [✓]

(ब) **1.** दो। **2.** गुरुमुखी।
3. राजभाषा। **4.** अनेक।

(स) **1.** सांकेतिक। **2.** मौखिक।
3. लिखित। **4.** मौखिक।

(द) **1.** [×] **2.** [✓]
3. [✓] **4.** [✓]

सोचो जरा सोचो:

☆ इशारों से।

☆ भाषा का लिखित रूप न होता।

करके देखिए: ☆ पंजाबी, हिंदी, उर्दू; गुजराती, मराठी, उड़िया, कन्नड़

पाठ—2. वर्ण एवं मात्राएँ

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वर्ण।
2. स्वर और व्यंजन।
3. अन्य किसी ध्वनि की सहायता के बिना स्वतन्त्र रूप से।
4. व्यंजनों के साथ लगाए जाने वाले स्वरों के चिन्ह को।
5. स्वरों की सहायता से बोले जाने वाली ध्वनियों को।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) ज्+ञ से। [✓] **2.** (i) ग । [✓]
3. (ii) अनुस्वार। [✓]

(ब) **1.** हंस-अनुस्वार।
2. डॉक्टर-आगत ध्वनि।
3. चाँद-अनुनासिक।
4. प्रातः-विसर्ग।

(स) **1.** गायिका। **2.** पुस्तक।
3. कुआ। **4.** वृक्ष।
5. ट्रक। **6.** वर्षा।

सोचो जरा सोचो:

☆ नहीं, क्योंकि स्वरों के बिना व्यंजन का उच्चारण नहीं हो पाता और बिना मात्रा के स्पष्ट शब्द नहीं बन पाते।

☆ व्यंजनों के उच्चारण अधिक हो जाते क्योंकि व्यंजनों का उच्चारण स्वरों की सहायता से ही होता है।

करके देखिए:

☆ अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ओ, औ, अं, अः। अ का उच्चारण करने में होठ न तो गोल होते हैं और न ही फैले हुए- उदासीन होते हैं, आ, इ, ई, ए, ऐ, के उच्चारण में होठ फैले हुए होते हैं— उ, ऊ, ओ, औ, के उच्चारण में होठ गोल होते हैं— वृत्ताकर तथा अं के उच्चारण में होठों की स्थिति सामान्य रहती है तथा अः के उच्चारण में होठ थोड़े फैल जाते हैं।

पाठ—3. शब्द-विचार

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को।
2. दो तरह के -सार्थक ओर निरर्थक।
3. ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ नहीं होता।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) वर्णों के [✓]
2. (ii) निरर्थक [✓]
3. (iv) दो [✓]

(ब) **1.** लोमड़ी। **2.** लड़का।
3. पढ़ाई। **4.** परीक्षा।

(स) **1.** घोड़ागाड़ी। **2.** चिड़ियाघर।
3. अकेला। **4.** तालाब।

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ, जैसे—
1. खाना-वाना। **2.** चाय-वाय।
3. घर-बार। **4.** शादी-वादी।
5. बुखार-वुखार।

☆ हिन्दी में कोई अन्तर नहीं आता पर अँग्रेजी में अन्तर आ जाता है, जैसे—
To (टू), Do (डू) तथा Go (गो), No (नो) आदि।

करके देखिए: पहली पंक्ति में— क, ग, ड़।
दूसरी पंक्ति में— ल, क, त।

पाठ—4. संज्ञा

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. प्राणि, स्थान, वस्तु तथा भाव के नाम को।

2. (i) व्यक्तिवाचक, (ii) जातिवाचक
(iii) भाववाचक।

3. भाववाचक संज्ञा किसी प्राणि और वस्तु के गुण, भाव, दशा, अवस्था, के नाम का बोध कराती है तथा व्यक्तिवाचक संख्या किसी विशेष प्राणि, वस्तु और स्थान के नाम का बोध कराती है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) मनुष्य, पशु व पक्षी [✓]
2. (ii) भाववाचक [✓]
3. (i) व्यक्तिवाचक [✓]

(ब) **1.** नाम **2.** जातिवाचक
3. व्यक्तिवाचक **4.** लड़कपन

(स) **1.** लड़ाई-झगड़ा।
2. मित्रता व खुशी।
3. बचपन।

सोचो जरा सोचो:

☆ बच्चा से बचपन तक बूढ़ा से बुढ़ापा।

☆ जातिवाचक संज्ञा।

☆ **करके देखिए—**
पटना, नागपुर, रतलाम, मथुरा, राजकोट, टनकपुर, रायपुर, रामपुर, रणथंभौर।

पाठ—5. सर्वनाम

आओ करें—

अब लिखिए (वाचन कौशल)—

1. सबके लिए नाम।

2. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को।

3. छह।

अब लिखिए (लेखन कौशल)—

(अ) **1.** (ii) सर्वनाम।
2. (iii) संबंधवाचक—
3. (i) पुरुषवाचक।

(ब) **1.** हम; पुरूषवाचक सर्वनाम।
2. वह; पुरूषवाचक सर्वनाम।
3. कोई; अनिश्चयवाचक सर्वनाम।
4. जिसकी-उसकी; सम्बन्धवाचक सर्वनाम।
5. क्या; प्रश्नवाचक सर्वनाम।

(स) **1.** मुझे कुछ समझ नहीं आया।
2. दरवाजे पर कोई खड़ा है।
3. मैने खाना खा लिया।
4. तुमने अपनी पुस्तक बस्ते में रख ली है।

सोचो जरा सोचो:

☆ अँग्रेजी के प्रभाव के कारण क्योंकि तुम को अँग्रेजी में Tum (टुम) लिखते हैं।

☆ वह एक वचन होता है और छोटों व बराबर वालों के लिए प्रयोग किया जाता है तथा वे बहुवचन होता है और अपनों से बड़ों के लिए प्रयोग किया जाता है।

करके देखिए: निर्देशानुसार छात्र-छात्रा स्वयं करें।

पाठ—6. विशेषण

देखिए, पढ़िए और समझिए।

● प्यारी ● अपने ● मेरा ● बहुत बड़ा ● ऊँची ● सुन्दर ● रंग-बिरंगे ● एक बहुत सारे ● छोटे ● ठण्डा ● घुँघराले ● दो ● घेरदार।

आओ देखिए—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. विशेषण।
2. संज्ञा या सर्वनाम की।
3. जिनकी विशेषता या गुण बताये जाते हैं।
4. गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक तथा संकेतवाचक विशेषण के भेद होते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) विशेषण। **2.** (iii) चार।
3. (ii) बादल।

(ब) **1.** घने **2.** वे
3. तिरंगे **4.** चार

(स) **विशेषण**- ऊँची, रंगीन, सुन्दर, नीला, मोटा।
विशेष्य- हाथी, आकाश औरतें, इमारत, तितलियाँ।

(द) **1.** काले। **2.** ठंडी।
3. थोड़ी। **4.** बहुत बड़ा।

सोचो जरा सोचो:

☆ दूध, घी, तेल, पानी, आटा, चीनी, कपड़ा, दूरी, मकान आदि।

☆ 'वह गाय मेरी है 'में वह संकेतवाचक विशेषण है तथा 'वह मेरी गाय है 'वह सर्वनाम है।

करके दिखिए: एक पेड़। एक घना पेड़। एक हराभरा घना पेड़। एक हराभरा घना सुन्दर पेड़।

एक गुलाब। एक सुन्दर गुलाब। एक सुन्दर कोमल गुलाब। एक सुन्दर कोमल लाल गुलाब।

एक तितली। एक रंगबिरंगी तितली। एक रंगबिरंगी सुन्दर तितली। एक रंगबिरंगी सुन्दर कोमल तितली।

पाठ—7. क्रिया

देखिए, पढ़िए और समझिए:

● वर्षा **हो रही है।** ● रीमा छाता लेकर पानी में **नाच रही है।** ● सीमा कागज की नाव **तैरा रही है।** ● डॉली छाता **लगाकर** किनारे से **आ रही है।** ● मेंढ़क पानी में **फुदक रहा है।** ● आकाश में बिजली **चमक रही है।** ● हलवाई समोसे **बेच रहा है।** ● अंकल हलवाई की दुकान पर **खड़े हैं।**

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. क्रिया किसी काम को करने या होने का बोध कराने वाले शब्दों को कहते हैं।
2. धूप का निकलना, हवा का चलना, वर्षा का होना, नदी का बहना, फूलों का खिलना आदि काम अपने-आप होते हैं।
3. **क्रिया के भेद** अकर्मक और सकर्मक हैं।
4. बिना कर्म की क्रिया को अकर्मक क्रिया कहते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) सकर्मक [✓]
2. (ii) अकर्मक क्रिया [✓]
3. (iii) अकर्मक [✓]
4. (iv) पढ़ना [✓]

(ब) **1.** पढ़ रहे है। **2.** आ गये।
3. दिया। **4.** सुनाई।

(स) **1.** साफ हो गया, **2.** चमक रहा है,
3. दिख रहा है, **4.** चहचहा रही थी।

(द) **सकर्मक**- खाना, काटना, लिखना, पढ़ना, पीना। अकर्मक-सेना, उठना, बैठना, हँसना, जागना।

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ क्योंकि खाने के लिए खाने की सामग्री जैसे- रोटी, नमकीन, आदि तथा पढ़ने के लिए पढ़ने की सामग्री जैसे- किताब, अखबार आदि होना आवश्यक है।

☆ हवा चलना, नदी बहना, सूरज निकलना, वर्षा होना आदि क्रियाएँ अपने आप होती है।

करके दखिए:

☆ तैयार होना पड़ेगा। हाथ-पैर और मुँह धोना पड़ेगा। अच्छे कपड़े पहनने पड़ेगे। पापा के साथ चलना होगा। वहाँ देने के लिए गिफ्ट खरीदना पड़ेगा। वहाँ जाकर सबका अभिवादन करना पड़ेगा। दूल्हा-दूल्हन को गिफ्ट देना पड़ेगा। स्टॉल पर जाकर नास्ता करना पड़ेगा और खाना खाना पड़ेगा। खाना खाकर घर वापस आना पड़ेगा।

पाठ—8. काल

देखिए, पढ़िए और समझिए

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. काल क्रिया के होने वाले समय को कहते हैं।
2. **काल की तीन अवस्थाएँ**
   (i) बीता हुआ समय।
   (ii) आज का समय तथा
   (iii) आने वाला समय है।
3. 'जीतूँगा' से आने वाले समय में होने वाली क्रिया की जानकारी मिल रही है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) काल।
2. (ii) भूतकाल।
3. (iii) आने वाले समय को।

(ब) किया, कर रहा है, करेगा। आया, आ रहा है, आयेगा। सोया, सो रहा है, सोयेगा। खाया, खा रहा है, खायेगा।

(स) **1.** रहा है। **2.** गई।
3. दौड़ती हैं। **4.** कर लिया।

सोचो जरा सोचो:

☆ भूतकाल, वर्तमानकाल और भविष्यत्काल है।

☆ क्योंकि क्रिया करने के बाद ही उसका प्रभाव दिखाई देता है।

करके दखिए: उठना, बैठना, सोना, खाना, पीना, नहाना, चलना, पढ़ना, लिखना, हँसना, रोना आदि काम इस पर छात्र-छात्रा स्वयं चर्चा करें।

पाठ—9. लिंग

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. लिंग पुरुष या स्त्री या जाति का बोध कराने वाले शब्दों के रूपों को लिंग कहते हैं।
2. क्रिया शब्दों से।
3. पुल्लिंग कहलाते हैं।
4. पुल्लिंग।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) पुल्लिंग में [✓]
2. (ii) स्त्रीलिंग में [✓]
3. (iii) शिक्षिका [✓]

(ब) पुल्लिंग- सोना, मँहगा, घर, पत्र। स्त्रीलिंग- चाँदी, सस्ती, वह, नानी।

(स) **1.** देवरानी खाना खा रही है।
2. सेठानी दान दे रही है।
3. बेटा स्कूल जा रहा है।
4. वह अच्छी खिलाड़ी है।

(द) **1.** सेठानी-सेठ।
2. पुत्र-पुत्री।
3. शिक्षिका-शिक्षका।
4. दादा-दादी।

सोचो जरा सोचो:

☆ इन शब्दों के पुल्लिंग नर लगाने से होते हैं, जैसे- नर मछली, नर चिड़िया, नर छिपकली और नर कोयल होते हैं।

☆ इन शब्दों के स्त्रीलिंग मादा लगाने से होते हैं, जैसे- मादा कौआ, मादा उल्लू, मादा भेड़िया, और मादा तोता होते हैं।

करके दिखिए:

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
कैसा	कैसी
शेर	शेरनी
सेठ	सेठानी
वर	वधू
राजा	रानी
ग्रंथ	पुस्तक
पेन	पेंसिल
शिक्षक	शिक्षिका
हाथी	हथिनी
राम	सीता

पाठ—10. वचन

देखिए, पढ़िए और समझिए—एक-पुस्तक, आँख, माला, दवाई, पेंसिल, कमरा, मिठाई, बस, घोड़ा, वधू।

एक से अधिक— पुस्तकें, आँखें, मालाएँ, दवाइयाँ, पेंसिलें, कमरे, मिठाइयाँ, बसें, घोड़े, वधुएँ।

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. एक या एक से अधिक बताने वाले शब्द रूपों को।
2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, और क्रिया शब्दों से।
3. दो प्रकार के।
4. बहुवचन।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (iv) एकवचन का [✓]
2. (ii) प्राण [✓]
3. (i) जनता [✓]

(ब) 1. करता हूँ। 2. थे।
3. हस्ताक्षर। 4. आँखों।

(स) 1. मछलियाँ पानी में तैरती है।
2. बिल्ली लड़ रही है।
3. आकाश में पतंगें उड़ रही हैं।

जैसे— 4. दादा-दादी।

(द) एकवचन— गुड़िया, नानी, बोतल।
बहुवचन— नदियाँ, मुर्गे, केले।

सोचो जरा सोचो:

☆ छात्र-छात्रा अपनी-अपनी कक्षा के अनुसार लिखें, 15 लड़के और 15 लड़कियाँ। ये बहुवचन है। इन सबसे मिलकर एक कक्षा बनती है इसलिए वह एकवचन है।

☆ गुलदस्ता या पुष्पगुच्छ।

करके दिखिए: अनेक-लड़कियाँ, एक-बंदर, अनेक-**फूल,** अनेक-**पक्षी,** एक फब्बारा, एक-झूला, अनेक-**पेड़,** अनेक-पौधे, एक-पार्क, एक-टोपी।

यह भी बतायें: फूल, पक्षी व पेड़ एक और अनेक दोनों में एक एक समान रहते हैं, जैसे— फूल खिल रहा है = फूल खिल रहे हैं। पक्षी उड़ा रहा है = पक्षी उड़ रहे हैं। पार्क में घना पेड़ है = पार्क में घने पेड़ हैं। फूलों, पक्षियों वे पेड़ों व्याकरण के अनुसार बहुवचन का तर्क (बिगड़ा) रूप है।

पाठ—11. वाक्य

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वाक्य में सार्थक शब्द-समूह के साथ-साथ शब्दों का सही क्रम आवश्यक है।
2. जब सार्थक होते हैं।
3. वाक्य अर्थ स्पष्ट करने वाले सार्थक शब्दों के समूह को कहते है।
4. दो।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (ii) उद्देश्य।
2. (i) सार्थक वाक्य।
3. (iii) वाक्य के अंग।
4. (ii) विधेय।

(ब) उद्देश्य:

1. हम। 2. मैं।
3. कुत्ता। 4. तैराक।

विधेय:

1. लालकिला देखने गए थे।
2. कल स्कूल जाऊँगा।
3. वफादार होता है।
4. तैरते हैं।

(स) 1. माँ स्वादिष्ट खाना बनाती है।
2. मै अपना काम खुद करता हूँ।
3. समाज में आज भी ईमानदार लोग रहते हैं।
4. हम शाम को चिड़ियाघर जायेंगे।

(द) 1. मेरे दोस्त। 2. शेर।
3. हिमालय। 4. कृष्ण।

सोचो जरा सोचो:

☆ नहीं क्योंकि वाक्य का कर्ता ही उद्देश्य होता है।

☆ छात्र-छात्राएँ स्वयं करके देखें जैसे-मेरी है कक्षा यह। आदि।

करके दिखिए: प्रत्येक छात्र-छात्रा अपने अनुसार भरे, जैसे—

1. प्रियांक / प्रियंका
2. श्री सोहन लाल
3. श्रीमती मीना देवी
4. दतिया
5. शासकीय प्राथमिक शाला
6. राजू, मयंक आदि / सीमा, ममता आदि
7. 9876543210।

पाठ—12. शब्द भण्डार

(अ) पर्यायवाची शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. समान अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को,
2. विकल्प, समान या स्थान पर।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (iii) खग [✓] 2. (i) बादल [✓]
3. (ii) पवन [✓] ।

(ब) 1. औरत - (ii) नारी।
2. पक्षी - (iv) खग।
3. पुत्री - (i) सुता।
4. सूर्य - (iii) सूरज।

(द) 1. मेघ, घन, जलद।
2. सरिता, तरंगिणी, तटिनी।
3. पुष्प, सुमन, कुसुम।

सोचो जरा सोचो:

☆ नहीं, पर्यायवची शब्दों का प्रयोग हर जगह नहीं किया जा सकता। भले ही वे समान अर्थ वाले हों, क्योंकि उनका प्रयोग संदर्भ और भाव के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

☆ नहीं, नीरज नाम से ही बुलाया जा सकता है क्योंकि यहाँ कमल नाम व्यक्ति की पहचान के रूप में है।

करके दिखिए: पिताजी - बाबूजी। माताजी- माँ, मम्मी। भाई - भईया। बहन, दीदी, जीजी। मित्र - दोस्त, सखा।

(ब) विलोम शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. विलोम शब्द एक-दूसरे के विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को कहते हैं।
2. विपरीत या विलोम।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) पुराना [✓]
2. (ii) अव [✓]
3. (iii) मुश्किल [✓]
4. (iv) पराजय [✓]
5. (ii) दिन।

(ब) 1. उदय...शाम 2. प्रकाश..रात
3. कठोर 4. जीतता।

सोचो जरा सोचो: नहीं, क्योंकि जीवन में सुख आता है तो दु:ख भी आता है।

करके देखिए:

1. माताजी 2. पिताजी
3. मेरी बहन 4. दादीजी।

चित्र छात्र-छात्रा स्वयं चिपकाएँ

(स) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले एक शब्द को।
2. भाषा स्पष्ट और संक्षिप्त हो जाती है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) सत्यवादी [✓]।
2. (ii) सहपाठी [✓]।
3. (iii) वार्षिक [✓]।

(ब) 1. लोहार। 2. अमर।
3. किसान। 4. बढ़ई।
5. खतरनाक।

(स) 1. हिन्दी के पेपर में **अपठित** अंश भी आता है।
2. मेरा **सहपाठी** मांसाहारी है।
3. राजीव **वार्षिक** परीक्षा में प्रथम आया।
4. अमन **बढ़ई** हैं।

(द) 1. स्वदेशी। 2. चित्रकार।
3. आस्तिक। 4. परोपकारी।

सोचो जरा सोचो: ☆ नित्यकर्म ☆ दिन

करके देखिए:

(अ) 1. अमर उजाला। 2. दैनिक जागरण।
3. आज। 4. दैनिक भास्कर।

(ब) 1. टाइम्स ऑफ इण्डिया।
2. हिन्दुस्तान टाइम्स।
3. इकोनॉमिक्स टाइम्स।
4. द इण्डियन एक्सप्रेस।

पाठ—13. विराम-चिह्न

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. लिखते, पढ़ते या बोलते समय बात को स्पष्ट करने के लिए रूकने का संकेत करने वाले चिन्हों को विराम चिन्ह कहते हैं।
2. विस्मयादिबोधक

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) विराम-चिन्ह का [✓]
2. (ii) , [✓]
3. (i) । [✓]
4. (iv) ! तथा। [✓]

(ब) 1. आप कहाँ रहती हैं?
2. अरे ! तुम फिर आ गए।
3. छी? कितनी गन्दगी है?
4. तुम देर क्यों कर रहे हो?
5. राजू, ज्योति और राधा कहाँ है?

(स) 1. (?)। 2. (,)।
3. (!)। 4. (l)।

सोचो जरा सोचो:

☆ (i) पूछा जा रहा है। (ii) आश्चर्य हो रहा है।

☆ हर्ष व प्रसन्नता का उसे विस्मयादिबोधक (!) चिन्ह से प्रकट किया जायेगा।

करके देखिए: ☆ छात्र-छात्रा— "मम्मी ! क्या हम मामाजी के यहाँ जा रहे हैं? मम्मी- हाँ आज शाम को मै, तुम और डॉली तीनों मामाजी के यहाँ जा रहे हैं। छात्र/छात्रा— अरे वाह ! तब तो खूब मजा आयेगा।

☆ 'अच्छा ! मै आश्चर्य का भाव तथा 'अच्छा।' मैं जानकारी होने का सामान्य भाव छात्र-छात्रा स्वयं व्यक्त करें।

पाठ—14. मुहावरे

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. वाक्य में सामान्य अर्थ न देकर कोई विशेष अर्थ प्रकट वाले वाक्यांश को मुहावरा कहते हैं।
2. सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ देने वाले वाक्यांश भाषा को रोचक व प्रभावशाली बनाते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (iii) विकल्प (i) व (ii) दोनों।
2. (i) मुहावरा।
3. (iii) कान पर जूँ न रेंगना।
4. (iv) तैयार होना।
5. (i) आँखें नीली-पीली करना।

(ब) **1.** – (iii) **2.** – (v)
3. – (i) **4.** – (ii)
5. – (iv)

(स) **1.** तैयार होना-दीपावली होते ही बच्चों ने परीक्षा के लिए कमर कस ली।
2. वश में करना - चाचाजी अपने बच्चों को उँगली पर नचाते हैं।
3. मृत्यु की परवाह न करना - सुनीता विलियम्स मृत्यु की परवाह न करके नौ महिने अंतरिक्ष में रही।
4. धोखा देना - सब्जीवाला सबकी आँखों में धूल झोंककर बासी सब्जी दे गया।
5. नाराज होना - आज सुबह पिताजी आँखें नीली-पीली कर रहे थे।

(द) **1.** आकाश-पाताल एक कर
2. श्री गणेश
3. चींटी की चाल से
4. आँखों में धूल झोंक
5. कमर टूट गई

सोचो जरा सोचो:

☆ नाक में दम करना, कान भरना, पेट पर लात मारना, टाँग खींचना, सिर पर चढ़ाना।

करके दखिए: दिन-रात एक करना, कान भरना, आँख दिखाना, हाथ मलना, चाँद-तारे दिखाना।

पाठ—15. अपठित गद्यांश

आओ करें—

1. बिना पढ़े हुए गद्यांश को।
2. विषय-वस्तु पर आधारित।

(अ) **1.** सुन्दर-सा।
2. धूप और बिना बारिश के मौसम से।
3. छाँव, ताजगी और ऑक्सीजन।
4. बगीचा तथा बाग।
5. पेड़ हमारे सच्चे दोस्त।

(स) **1.** (i) भाषण देने [✓]
2. (ii) अंको के छिलकों पर
3. (iii) जब हम अपना ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रखेंगे
4. (iv) स्वयं
5. (i) स्वामी विवेकानन्द

पाठ—16. पत्र-लेखन

आओ करें—

अब लिखिए (लेखन कौशल): 1

दिनांक 15.02.20XX
सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी
रोजवुड पब्लिक स्कूल
लक्ष्मीनगर, जैसलमेर।

विषय: पुस्तकालय से पाठ्यपुस्तकें पाने के लिए

महोदय,

सविनय निवेदन है मैं आपके विद्यालय की कक्षा 4 आ का छात्र / की छात्रा हूँ। मेरी हिंदी तथा विज्ञान की पाठ्य पुस्तकें कहीं खो गयी है और इस समय बाजार में मिल नहीं रही हैं। वार्षिक परीक्षाएँ नजदीक हैं। अत: श्रीमान जी से निवेदन हैं कि मुझे उक्त दोनों पुस्तकें विद्यालय के पुस्तकालय से दिलवाने की कृपा करें। वार्षिक परीक्षा समाप्त होते ही मैं उक्त दोनों पुस्तकें पुस्तकालय में वापस का दूंगा/दूंगी आपकी अति कृपा होगी।

आपका आज्ञाकारी शिष्य / आपकी आज्ञाकारी शिष्या
शिवम / शिवानी
कक्षा 4 अ

2.

विवेकानंद छात्रावास
सीकर (राजस्थान)
दिनांक: 28 अगस्त 20XX
पूजनीय माताजी,
सादर चरणस्पर्श !
आशा है कि आप सब स्वस्थ व आनन्द से होंगे। मैं भी यहाँ स्वस्थ व प्रसन्न हूँ। मेरी अर्द्धवार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है। इस बार मेरा लक्ष्य कक्षा में प्रथम आना है। इसके लिए मैं पढ़ाई करने में व्यस्त हूँ। विद्यालय में मेरी अतिरिक्त कक्षाएँ चल रही हैं।
छात्रावास में भी सभी विषयों के शिक्षक-शिक्षिकाएँ आकर मेरी सहायता करते हैं। मुझे माफ करें, इसी कारण में आपके जन्म दिन पर घर नहीं आ पाया था।/पायी थी। आदरणीय पिता जी को चरणस्पर्श, दीदी व भैया को प्रणाम।
आपका पुत्र/आपकी पुत्री
प्रवेश / शिवानी

3.

विवेकानंद छात्रावास
दिनांक: 28 अक्टूबर 20XX
पूजनीय पिताजी,
सादर चरणस्पर्श!
आशा है कि घर पर आप सब स्वस्थ व आनन्द से होंगे। मैं भी यहाँ स्वस्थ व प्रसन्न हूँ । इस बार अर्द्धवार्षिक परीक्षा में आपके आशीर्वाद से मेरे 90% अंक आये हैं। वार्षिक में मैं अपनी कक्षा में प्रथम स्थान ला सकूँ इसके लिए मुझे कुछ किताबें खरीदनी है। अत: आपसे निवेदन है कि आप एक हजार रूपये मेरे खाते में जमा करने की कृपा करें। आदरणीय माता जी को चरणस्पर्श, दीदी व भैया को प्रणाम। शेष मिलने पर।
आपका पुत्र/आपकी पुत्री
प्रवेश, / शिवानी

4.

45 कमला निवास
राधा वैली,एन,एच. 2
मथुरा (उ.प्र)
दिनांक: 01 अक्टूबर 20XX
प्रिय मित्र गौरव / प्रिय सखी काव्या,
नमस्कार!
मैं यहाँ स्वस्थ व सकुशल हूँ तथा आशा करता हूँ / आशा करती हूँ कि तुम भी सपरिवार स्वस्थ व सकुशल होंगे/होंगी। मेरी ओर से तुमको और तुम्हारे परिवार को दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।
अंकल व आण्टी को मेरी तरफ से सादर प्रणाम कहना।
तुम्हारा मित्र /तुम्हारी सहेली
प्रियांक / प्रियंका

5.

45 कमला निवास
राधा वैली.एन.एच. 2
मथुरा (उ.प्र)
दिनांक: 05 जुलाई 20XX
प्रिय मित्र गौरव / प्रिय सखी काव्या,
नमस्कार!
मैं यहाँ पर सकुशल हूँ तथा आशा करता हूँ/करती हूँ कि तुम भी सपरिवार स्वस्थ व सकुशल होंगे/होंगी। मैं सपरिवार 15 जुलाई को पिकनिक पर घना पक्षी विहार भरतपुर जा रहा/जा रही हूँ। मेरी इच्छा है कि तुम हमारे साथ इस पिकनिक पर चलो। अत: 15 तारीख को सुबह सात बजे मंडी चौराहे पर मिल जाना। मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करुँगा/करुँगी। अंकल व आण्टी को मेरी तरफ से सादर प्रणाम कहना।
तुम्हारा मित्र / तुम्हारी सहेली
प्रयांक / प्रियंका

सोचो जरा सोचो: छात्र स्वयं करें।

पाठ—15. अनुच्छेद-लेखन

आओ करें—

अब लिखित (लेखन कौशल):

1. **मेरी कक्षा—** मैं कक्षा 4 का छात्र/ छात्रा हूँ। मेरी कक्षा प्रथम तल पर है। यहाँ से पूरा विद्यालय दिखाई देता है। इसमें 30 छात्र-छात्राएँ एक साथ पढ़ते हैं। मेरी कक्षा की दीवारों पर महापुरुषों के चित्र लगे हुए हैं। मेरी कक्षा में सामने की तरफ एक बड़ा-सा ग्रीन बोर्ड लगा हुआ है जिस पर शिक्षक-शिक्षिकाएँ लिखते हैं। उस बोर्ड के बायीं तरफ एक लेक्चर स्टेण्ड है जिसके पीछे खड़े होकर शिक्षक-शिक्षिका हमें पढ़ाते हैं। कक्षा की ओर एक नोटिस बोर्ड है जिस पर हम प्रतिदिन कुछ न कुछ कलाकृतियाँ बनाते हैं। मेरी कक्षा में चार पंखे लगे हुए हैं और चार दरवाजे हैं। इस प्रकार मेरी कक्षा एक आदर्श कक्षा है।
2. **मेरी पहली मेट्रो यात्रा—** मैं अपनी मम्मी के साथ अपनी मौसी के यहाँ दिल्ली गया/गयी। मैं पहली बार दिल्ली आया था/आयी थी। मैं बहुत उत्साहित था/थी। निजामुद्दीन स्टेशन पर उतर कर हमें मेट्रो द्वारा ही मौसी के घर जाना था। ट्रेन से उतरकर जब हम मेट्रो स्टेशन पहुँचे तो चारो ओर साफ-सफाई देखकर ऐसे लग रहा था। कि हम किसी दुनिया में आ गए हैं। बड़ी शान्ति थी। कुछ देर के इंतजार के बाद एकदम समय पर बिना आवाज किए मेट्रो ट्रेन आ गई। उसके दरवाजे अपने आप खुल गए। उतरने वाली सवारियाँ उतर गईं हम लोग चढ़ गए, दरवाजे अपने आप बन्द हो गए। हम अपनी-अपनी सीट पर बैठ गए। कुछ लोग रील बना रहे थे तो कुछ लोग बातचीत कर रहे थे। सामने बोर्ड पर आने वाले स्टेशन का नाम आ रहा था और घोषणा हो रही थी। अचानक हमारे स्टेशन लक्ष्मीनगर के आने की घोषणा हुई तो हम लोग दरवाजे के सामने पहुँच गए। स्टेशन आने पर मेट्रो रुकी और दरवाजे अपने आप खुल गए। हम लोग उतरकर प्लेटफार्म पर खड़े हो गए। यह मेरी पहली मेट्रो यात्रा थी जो मुझे बहुत ही आरामदायक और अच्छी लगी।
3. **पालतू जानवर—**सभी जानवर बहुत ही प्यारे होते हैू। पालतू जानवर हमारे लिए श्रम करते हैं। पालतू जानवारों में गाय, बैल, भैंस, बकरी, घोड़ा, ऊँट, कुत्ता, बिल्ली आदि हो सकते हैं। बहुत से लोगों को जानवर पालना पसंद नहीं है। कई लोगों को जानवर पसंद होते है पर उनसे डर लगता है। ज्यादातर लोगों के पास कुत्ते या बिल्ली दिखाई देती है। लोग अपनी सुरक्षा तथा जानवरों के साथ समय बिताने के उद्देश्य से पालतू जानवर को पालते हैं। मेरे पास जानवर के रूप में एक कुत्ता है। हमने उसका नाम प्यार से शेरु रखा है। वह हल्के पीले-पीले रंग का दिखता है। वह दिखने में बहुत ही नादान है। उसके कद काठी बहुत छोटी है। वह बहुत प्यारा भी है। मुझे उसके साथ रहना या खेलना बहुत पसंद है। उसकी सूंघने की शक्ति बहुत तेज है। वह खाने में दूध और रोटी पसंद करता है। वह बहुत ही तेज दौड़ता है। मैं हर रोज सुबह और शाम को उसे घुमाने ले जाता / ले जाती हूँ। मोती बहुत ही वफादार कुत्ता है।
4. **यदि मैं विद्यालय का प्रधानाचार्य होता—** हर व्यक्ति का एक सपना होता है। मेरा भी एक सपना है कि मैं किसी विद्यालय का प्रधानाचार्य बनूँ। आज हम बच्चे स्कूल में कई प्रकार की समस्याओं से घिरे रहते हैं। यदि मैं प्रधानाचार्य होता तो बच्चों को उन

समस्याओं से बचाने का प्रयास करता। मैं बच्चों के बस्ते को हल्का करता। गृहकार्य पर रोग लगा देता। विद्यालय का कार्य विद्यालय में ही पूरा करवाता। बच्चों के लिए खेल-कूद की पर्याप्त व्यवस्था करता। शनिवार को विद्यालय की छुट्टी रखता तथा परियोजना के रूप में रविवार को माता-पिता के साथ पिकनिक पर जाना अनिवार्य करता। परन्तु मैं विद्यालय का प्रधानचार्य नहीं हूँ बल्कि कक्षा चार का छात्र हूँ। मेरा मन करता है कि मैं जल्दी से बड़ा होकर अपने सपने को पूरा करुँ और किसी विद्यालय का प्रधानाचार्य बनूँ।

5. **मेरे प्रिय अध्यापक—** मेरे प्रिय अध्यापक का नाम श्री रमेश चन्द्र शर्मा है, जो कि गणित के एक अच्छे टीचर हैं। उनके पढ़ाने का तरीका और उनके प्रभावशाली व्यक्तित्व की वजह से हर छात्र उनकी तारीफ करता है। उनकी सबसे अच्छी बात यह है कि वे सभी छात्रों के साथ समान व्यवहार करते हैं और सभी के साथ बेहद नम्र और सौम्यता से पेश आते हैं। मैं उन्हें अपना आदर्श मानता हूँ। वे एक ऐसे अध्यापक हैं जो, पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ तब तक कड़ी मेहनत करते रहते हैं, जब तक कि कोई छात्र अपने उद्देश्य को हासिल करने के लायक नहीं बन जाता है। उनका नरम, सौम्य, दयालु व्यवहार मुझे बहुत अच्छा लगता है। वे गलतियों पर कभी डांटते नहीं है, बल्कि उनसे सीख लेकर सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन करते हैं इसलिए वे मेरे प्रिय अध्यापक हैं। मेरे प्रिय अध्यापक और मेरा रिश्ता सिर्फ गुरु और शिष्य का ही नहीं बल्कि, एक बड़े भाई और छोटे भाई जैसा है। वे पढ़ाई के साथ-साथ मेरी निजी समस्याओं को भी एक बड़े भाई की तरह समझते हैं और मुझे हमेशा सही राह देकर आगे बढ़ने के लिय प्रेरित करते हैं।

6. **प्रात:काल का दृश्य—** प्रात:काल का दृश्य बहुत ही सुन्दर सुहावना व अत्यंत मनोरम होता है। पूर्व दिशा में सूर्य की लाली का सुनहरा रंग बिखरा होता है। निकलते हुए सूर्य का दृश्य मन को मोह लेता है, यह दृश्य इतना सुन्दर होता है कि पहाड़ों पर विदेशों से लोग इस दृश्य को देखने के लिए आते हैं। सुबह धरती, आकाश तथा जन में लालिमा छा जाती है। इस समय पक्षी अपने घोंसलों से निकलकर चहचहाने लगते हैं। ठंडी हवा चलने लगती है। पेड़-पौधे मस्ती से झूम उठते हैं। चारों तरफ जाते फूलों की महक फैल जाती हैं। घास पर पड़ी ओस की बूँदें मोती-सी चमकने लगती हैं। पार्क में खिले हुए फूल हमारे मन को प्रसन्न और तरोताजा कर देते हैं। प्रात: काल पार्क में बच्चे, बूढ़ें, युवक, युवतियाँ घूमने-खेलते तथा व्यायाम करते दिखाई देते हैं। प्रात:काल टहलने और व्यायाम करने से मनुष्य स्वस्थ, चुस्त और फुर्तीला बनता है। प्रात:काल का दृश्य मन में आशा, उत्साह तथा उमंग पैदा करता हैं प्रत्येक व्यक्ति को प्रात:काल के मनोरम दृश्य का ही आनन्द उठाना चाहिए। प्रात:काल के भ्रमण से मन-मस्तिष्क स्वस्थ होता है।

(ब) 1. वृक्षारोपण से तात्पर्य पेड़ लगाकर संरक्षण करने से है। यानि वृक्षारोपण करके हम ना केवल एक अच्छे नागरिक का फर्ज निभाते हैं, अपितु पर्यावरण में उपस्थित वायु को भी स्वच्छ करते हैं, जलवायु में होने वाले अनावश्यक परिवर्तन को नियंत्रित करते हैं। आज जब औद्योगिक विकास और बढ़ते हुए नगर क्षेत्र के कारण पेड़ों की अन्धाधुन्ध

कटाई हो रही है तब प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण की आवश्यकता अधिक बढ़ जाती है। वृक्ष हमारे लिए प्रकृति का वरदान हैं। ये हमारे पर्यावरण की रक्षा करते हैं। वृक्ष इस धरती से कार्बनडाईऑक्साइड को ग्रहण करते हैं और हमें जीवन देने वाला ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वृक्षों से ही हमारी धरती पर वर्षा होती है तथा मिट्टी रूकती है अत: हमारा कर्त्तव्य है कि हम वृक्षों की रक्षा करें और समय-समय पर वृक्षारोपण के कार्यक्रम चलाकर अधिक से अधिक वृक्ष लगायें और अपनी इस धरती की तथा प्राणियों की रक्षा करें।

2. शौचालय की जरूरत इसलिए होती है, क्योंकि यह हमारे स्वस्थ और स्वच्छता के लिए अत्यंत आवश्यक है, जिससे बीमारियों से बचा जा सकता है और एक साफ-सुथरा वातावरण बनाए रखने में मदद मिलती है। शौचालय मानव मल और मूत्र और मूत्र के उचित लिपटान के लिए एक आवश्यक सुविधा है। शौचालय स्वास्थ्य का प्रतीक है क्योंकि खुले में शौच करने से बीमारियाँ फैल सकती हैं, जबकि शौचालय मानव मल को एक सुरक्षित और नियंत्रित तरीके से निपटाने के लिए आवश्यक सुविधा है। शौचालय स्वास्थ्य का प्रतीक है क्योंकि खुले में शौच करने से बीमारियाँ फैल सकती हैं, जबकि शौचालय का उपयोग करके हम डायरिया, हैजा, टाइफाइड जैसी बीमारियों से बच सकते हैं। शौचालय बनाने के बहुत लाभ हैं। नियंत्रित तरीके से निपटाने में मदद करते हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होता है। इस प्रकार शौचालय बनाने के बहुत लाभ हैं। शौचालय का उपयोग करना स्वच्छता और गरिमा का प्रतीक है, जो हर व्यक्ति का अधिकार है। इससे ही स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत का निर्माण हो सकेगा। इसलिए भारत सरकार ने "स्वच्छ भारत मिशन" के तहत हर घर में शौचालय बनाने पर जोर दिया है, ताकि खुले में शौच की समस्या को खत्म किया जा सके।

सोचो जरा सोचो: ☆ हाँ, वो भी अनुच्छेद ही होगा।

पाठ—18. कहानी-लेखन

आओ करें—

अब लिखिए (लेखन कौशल):

1. दो मूर्ख बिल्लियाँ थीं। वो एक रोटी को लेकर आपस में झगड़ रही थीं। तभी वहाँ एक बन्दर आता है। और उनसे झगड़ने का कारण पूछता है। मूर्ख बिल्लियों ने बताया कि हम दो हैं और हमारे पास एक रोटी है। इसे आपस में कैसे बाटें? बन्दर चालाक था। उसने कहा, "कोई बात नहीं मैं इस रोटी का बँटवारा कर देता हूँ। "बन्दर एक तराजू ले आया और रोटी के दो टुकड़े करके तराजू के दोनों पलड़ों में रख देता है और उन्हें मूर्ख बनाते हुए बारी-बारी से एक पलड़े को झुकाकर उसमें रखी रोटी को ज्यादा बताता है और तोड़कर खा जाता है। इस प्रकार वह पूरी रोटी को खा जाता है और बिल्लियाँ पछताती हुई वापस चली जाती हैं।

2. एक जंगल में एक लोमड़ी थी। उसने एक ऊँचे स्थान पर अंगूर की बेल पर लटके हुए अंगूर देखे। वो उन अंगूरों को खाना चाहती थी। अंगूर इतने ऊँचे थे कि अनेक प्रयासों के बाद भी वह

लोमड़ी उन्हें खा सकी तो थक-हार कर 'अंगूर खट्टे हैं' कहकर उसने अपने मन को समझा लिया।

- **श्रवण कौशल गतिविधियाँ प्रश्नावली—**

1. स्वतंत्रता दिवस।
2. विदेशी शासकों के।
3. 15 अगस्त 1947।
4. दिल्ली के लाल किले पर।
5. दिल्ली में।
6. लगभग 200 वर्ष तक।
7. सरकारी दफ्तरों।
8. राष्ट्रीय अवकाश।

जाँच पत्र— 1 अब बताइए:

1. एक-दूसरे तक अपनी बात पहुँचाने का माध्यम है।
2. स्वर और व्यंजन।
3. दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को।
4. व्यक्तिवाचक संख्या, जातिवाचक संख्या और भाववाचक संज्ञा।
5. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम होते हैं।
6. संज्ञा या सर्वनाम की।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) 11 [✓]
2. (iii) भाववाचक [✓]
3. (i) चार [✓]
4. (ii) भूतकाल [✓]

(ब) 1. गुरुमुखी। 2. सार्थक।
3. अनिश्चयवाचक। 4. सकर्मक।
5. स्त्रीलिंग। 6. बहुवचन।

(स) 1. [×] 2. [✓]
3. [×] 4. [✓]
5. [×] 6. [✓]

जाँच पत्र— 2 अब बताइए:

1. किसी काम के करने या होने का बोध कराने वाले शब्दों को।
2. काल के तीन भेद हैं—
   (i) वर्तमान काल।
   (ii) भूतकाल तथा।
   (iii) भविष्यत् काल।
3. लिंग।
4. पुस्तकें, नदियाँ, दिन, पक्षी।
5. सार्थक शब्दों का समूह जो अर्थ स्पष्ट करता है, वाक्य कहलाता है।
6. समानार्थी या पर्यायवाची शब्द।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) पवन [✓]
2. (iii) पराजय [✓]
3. (ii) सत्यवादी [✓]
4. (iii) ?

(ब) 1. विस्मयादिबोधक।
2. प्रभावशाली।
3. अनौपचारिक।
4. शरणागत।
5. आग।
6. हिमालय।

(स) 1. [✓] 2. [×]
3. [×] 4. [✓]
5. [×] 6. [✓]

❑❑

हिन्दी व्याकरण - 5

पाठ—1. भाषा और व्याकरण

आओ करें

(अब बताइए)

(वाचन कौशल):

1. अपने विचारों तथा भावों को एक-दूसरे तक पहुँचाने के साधन को।
2. बोलना तथा सुनना।
3. सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा को।
4. शुद्ध रूप से बोलने, पढ़ने, लिखने तथा समझने को।

(अब लिखिए)

(लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) व्याकरण
2. (ii) 14 सितम्बर 1949 को
3. (iii) 14 सितम्बर को
4. (iii) 22 भाषाओं को
5. (iv) 22 लिपि

(ब) **1.** (×) **2.** (✓)
3. (×) **4.** (✓)
5. (×)

(स) **1.** भाषा **2.** मौखिक
3. देवनागरी **4.** सीमित
5. मातृभाषा

(द) **1.** बोलना, सुनना, लिखना तथा पढ़ना।
2. हिन्दी, संस्कृत, उर्दू तथा पंजाबी।

(सोचो जरा सोचो)

क्योंकि हमारा देश कई राज्यों का एक संघ है।

क्योंकि इसका क्षेत्र सीमित होता है और अलग-अलग क्षेत्रों के अपने-अपने संकेत होते हैं।

(करके देखिए)

प्रदेश, भाषा, लिपि:

प्रदेश	पंजाब	सिंधु	गुजरात	मराठा-महाराष्ट्र	द्राविण-कर्नाटक	आंध्र प्रदेश	तेलंगाना	तमिलनाडु
भाषा	पंजाबी	सिंधु	गुजरात	मराठी	कन्नड़	तेलुगू	तेलुगू	तमिल
लिपि	गुरुमुखी	देवनागरी व अरबी-फारसी	देवनागरी	देवनागरी	कन्नड़	तेलुगू	तेलुगू	तमिल
प्रदेश	केरल	उत्कल-ओडिशा	बंग-बंगाल					
भाषा	मलयालम	उड़िया	बांग्ला					
लिपि	मलयालम	उड़िया	बांग्ला					

आई.पी.एल. की टीम, प्रदेश, भाषा और लिपि:

टीम	मुम्बई इण्डियन	चेन्नई सुपर किंग्स	रॉयल चैलेंजर्स बैगलुरू	कोलकाता नाइट राइडर्स		दिल्ली कैपिटल्स
प्रदेश	महाराष्ट्र	तमिलनाडु	कर्नाटक	पश्चिम बंगाल		दिल्ली
भाषा	मराठी	तमिल	कन्नड़	बांग्ला		हिन्दी व पंजाबी

लिपि	देवनागरी	तमिल	कन्नड़		बांग्ला	देवनागरी व गुरुमुखी
टीम	सरराजर्स हैदराबाद	गुजरात टाइटन्स	लखनऊ जायंट्स	सुपर	पंजाब किंग्स	राजस्थान रॉयल्स
प्रदेश	तेलंगाना	गुजरात	उत्तरप्रदेश		पंजाब	
भाषा	तेलुगु	गुजराती	हिन्दी		पंजाबी	राजस्थानी
लिपि	तेलगु	देवनागरी	गुरुमुखी		देवनागरी	

पाठ—2. वर्ण-विचार

आओ करें—

(अब बताइए)

(वाचन कौशल):

1. वर्ण भाषा की उस सबसे छोटी इकाई को कहते हैं, जिसके टुकड़े न किए जा सके।
2. स्वर व व्यंजन।
3. दो या दो से अधिक व्यंजनों के मेल से।
4. 52 वर्ण होते हैं— 11 स्वर, 2 अयोगवाह, 33 व्यंजन, 4 संयुक्त व्यंजन तथा 2 उत्क्षिप्त व्यंजन।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) वर्ण [✓]
2. (ii) चार [✓]
3. (iii) य, र, ल, व [✓]
4. (iv) हलन्त का [✓]
5. (i) संयुक्ताक्षर [✓]

(ब) **1.** डॉक्टर। **2.** कॉफी।
3. ज़मीन। **4.** कागज़।
5. फ़कीर। **6.** लिफ़ाफ़ा।

(स) **1.** बंदर, **2.** व्यंजन,
3. रंग, **4.** पंप,
5. अंडा, **6.** आँख,
7. लड़कियाँ, **8.** साँप,

(द) **1.** [×] **2.** [✓]
3. [×] **4.** [✓]
5. [×]

(य) **1.** अंगूर, **2.** बकरी,
3. भेड़िया, **4.** ढोलक।

सोचो जरा सोचो:

बिना स्वर के व्यंजन का उच्चारण नहीं कर सकते।

हाँ, अंग्रेजी भाषा में भी स्वर और व्यंजन होते हैं।

करके देखिए:

☆ 1. **होठ—** प, फ, ब, भ, म।
2. **दाँत—** त, थ, ध, न, ल, स।
3. **मूर्धा—** ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष।
4. **तालु—** च, छ, ज, झ, ञ, य, श।
5. **गला (कंठ)—**क, ख, ग, घ, ड़, ह।
6. **नाक—** ङ, ण, ञ, म।

जीभ की जड़ (जिह्वामूल) क, ख।

पाठ—3. शब्द-विचार

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. शब्द दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को कहते हैं।
2. शब्दों को उत्पत्ति के आधार पर, रचना के आधार पर तथा प्रयोग के आधार पर बाँटा जाता है।
3. विकारी शब्द अपना रूप बदल लेते हैं और अविकारी शब्द अपना रूप नहीं बदलते।
4. तत्सम शब्द संस्कृत भाषा के ज्यों-त्यों हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को कहते हैं।
5. रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) तद्भव [✓]
2. (ii) तत्सम [✓]

3. (iii) विदेशी शब्द [✓]
4. (iv) रूढ़ [✓]

(ब) तद्भव—

1. अग्नि–आग, 2. सर्प—साँप,
3. चंद्र–चाँद, 4. गृह–घर,
5. पुत्र–पूत 6. घृत–घी,
7. क्षेत्र–खेत 8. कार्य–काम

(स) देशज शब्द–खटिया, टाँग, पेट।
विदेशी शब्द– आज़ाद, कैंची, स्कूल।
तत्सम शब्द– हस्त, सर्प, क्षेत्र।
तद्भव शब्द– आग, पत्ता, दही।

(द) रूढ़ शब्द– घर, आँख, कल।
यौगिक शब्द– रेलगाड़ी, स्नानघर, विद्यालय।
योगरूढ़ शब्द– त्रिनेत्र, पंकज, लंबोदर।

सोचो जरा सोचो:

☆ छात्र स्वयं करें।

☆ हिन्दी में विद्यालय, स्थानक, मलाई की बर्फ या कुल्फी, सचल दूरभाष यंत्र कहते हैं परन्तु हम अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों को हिन्दी में उसी रूप में भी प्रयोग कर सकते हैं, जैसे- स्कूल को स्कूल, स्टेशन, आइसक्रीम व मोबाइल को मोबाइल।

करके देखिए:

तत्सम— कार्य, दधि, प्रथम, हस्त, दीपक।
तद्भव— काम, दही, पहला, हाथ, दीया।

पाठ—4. संज्ञा

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. संज्ञा किसी प्राणी, वस्तु, स्थान तथा भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को कहते हैं।
2. **संज्ञा के भेद** व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा है।
3. जातिवाचक संज्ञा को द्रव्यवाचक (पदार्थवाचक) संज्ञा तथा समुदायवाचक (समूहवाचक) संज्ञा में बाँटा जाता है।
4. भाववाचक संज्ञा का निर्माण जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया तथा विशेषण से किया जाता है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) प्राणियों के [✓]
2. (iv) पुस्तक [✓]
3. (iii) भाववाचक संज्ञा [✓]
4. (ii) भाववाचक संज्ञा [✓]
5. (i) व्यक्तिवाचक संज्ञा [✓]

(ब) 1. [✓] 2. [×]
3. [✓] 4. [×]
5. [✓] ।

(स) जातिवाचक– भाषा, विद्यालय, फूल।
व्यक्तिवाचक– गंगा, रामदेव, गीता।
भाववाचक– बुढ़ापा, क्रोध, ठंड।
द्रव्यवाचक– गेहूँ, चाँदी, पत्थर।
समूहवाचक– कक्षा, भीड़, परिवार।

(द) 1. सुन्दरता, 2. खेल,
3. सेवा, 4. चोरी,
5. मित्रता।

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ, हम सबको नाम से जानते हैं।

☆ छात्र–छात्राएँ स्वयं करें; जैसे— मित्र- शरद, मयंक आदि व परिवार के सदस्य–पिताजी/पापाजी - श्री सुरेन्द्र, माताजी/मम्मी- श्रीमती सीमा देवी, भाई/बहन- प्रियांक/प्रियंका आदि।

करके देखिए:

छात्र स्वयं करें।

पाठ—5. सर्वनाम

देखिए, पढ़िए और समझिए:

● वह....उसकी....उसके...वह...उसकी।

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. सर्वनाम संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्दों को कहते हैं।
2. पुरुषवाचक सर्वनाम के भेद—
(i) उत्तमपुरुष, (ii) मध्यपुरुष, (iii) अन्यपुरुष
3. सबंधवाचक सर्वनाम वे सर्वनाम होते हैं। जो किसी दूसरे सर्वनाम से संबंध प्रकट करते हैं।

4. यह अंतर है कि क्या प्रश्नवाचक है और कुछ अनिश्चयवाचक सर्वनाम है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (iv) छह [✓]
2. (i) प्रश्नवाचक सर्वनाम [✓]
3. (iv) मैं [✓]
4. (ii) मैं [✓]
5. (iii) यह, वह [✓]

(ब) **1.** [✓] **2.** [×]
3. [✓] **4.** [✓]
5. [✓] ।

(स) **1.** जो...वो, **2.** स्वयं,
3. मेरे, **4.** कुछ,
5. वहाँ।

(द) **पुरुषवाचक सर्वनाम:** मैं, तुम्हारा, आपका।
निजवाचक सर्वनाम: स्वयं, खुद, अपने-आप।
संबंधवाचक सर्वनाम: जिसे-उसे, जैसा-वैसा, जो-सो।

सोचो जरा सोचो:

☆ वह दो वक्ताओं के बीच अन्य के लिए प्रयोग किये जाने पर पुरुषवाचक सर्वनाम होता है, पास या दूर की वस्तु की ओर संकेत करने पर निश्चयवाचक सर्वनाम होता है और जब दूसरे सर्वनाम से संबंध प्रकट करता है। तो संबंधवाचक सर्वनाम होता है;
जैसे– वह घर जाता है। (पुरुषवाचक सर्वनाम), वह कमरा मेरा है। (निश्चयवाचक सर्वनाम), जो पढ़ेगा वह पास होगा। (संबंधवाचक सर्वनाम)।

करके देखिए– अनिश्चयवाचक: कुछ, कोई
निश्चय वाचक: यह, वह, वे।
पुरुषवाचक: वह, मैं, तुम।
प्रश्नवाचक: क्या, किसका, कौन, किसने।
निजवाचक: खुद, स्वयं, अपने-आप।
संबंधवाचक: जैसा-वैसा, जिसे-उसे, जो-सो।

पाठ–6. विशेषण

देखिए, पढिए और समझिए:

● मेरे, ● एक, ●छोटी-सी, ● मोटी, बड़ी और काली ●ताजी और साफ-सुथरी ● ताजे और रसीले ● सात ● चार ● अधिक ● सारी● सारे।

आओ करें–

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को कहते हैं तथा उसके चार भेद हैं।
2. संख्यावाचक विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की संख्या बताते हैं तथा परिमाणवाचक विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की माप-तौल बताते हैं।
3. सार्वनामिक विशेषण संज्ञा से पहले आकर संज्ञा की विशेषता वाले शब्दों को कहते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (iv) विशेष्य, **2.** (i) गुणवाचक,
3. (ii) विशेषण

(ब) **गुणवाचक विशेषण:** ईमानदार, बुरा, काला।
संख्यावाचक विशेषण: पाँच, बारह, कुछ।
परिमाणवाचक विशेषण: थोडी, ज्यादा, दो लीटर।
सार्वनामिक विशेषण: यह, वह, ये।

(स) **1.** – (ii) **2.** – (iii)
3. – (iv) **4.** – (i)

(द) **1.** एक किलो **2.** बहती,
3. अच्छा, **4.** लाल।

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ, गुणवाचक विशेषण में गुण, दोष, आकार, अवस्था, रंग, स्वभाव आदि आते हैं।

☆ संख्यावाचक।

करके देखिए– छात्र-छात्रा स्वयं लिखें; जैसे– **मेरे** घर से विद्यालय जाते समय **बड़ा** चौराहा पड़ता है। वहाँ **एक** मन्दिर है। **उस** मन्दिर में अधिक भीड़ रहती है। उससे थोड़ी

दूर मोटू हलवाई की दुकान है। यहाँ मेरे व उस सार्वनामिक विशेषण, बड़ा व मोटू गुणवाचक, एक निश्चित संख्यावाचक, अधिक अनिश्चित संख्यावाचक तथा थोड़ी अनिश्चय परिमाणवाचक विशेषण हैं।

पाठ—7. क्रिया

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. काम के होने या करने का पता क्रिया शब्दों से चलता है।
2. क्रिया दो प्रकार की होती है।
3. अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता और सकर्मक क्रिया के साथ कर्म होता है।
4. क्रिया का मूल रूप धातु कहलाता है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (iv) काम के करने या होने को [✓]
2. (i) क्रिया [✓]
3. (iii) गा [✓]
4. (i) अकर्मक [✓]

(ब) 1. सुनता है? 2. जाऊँगा।
3. देगा। 4. उड़ रहे हैं।
5. बह रहे हैं।

(स) 1. खेलना- अकर्मक (सामान्य रूप में खेलना क्रिया अकर्मक होती है परन्तु यहाँ वाक्य में कर्म नहीं दिया है, इसलिए अकर्मक है),
2. सुनेगा - सकर्मक,
3. याद करूँगी - सकर्मक,
4. सो रहा हूँ - अकर्मक,
5. पी रहा है - सकर्मक।

(द) 1. – (iii) 2. – (iv)
3. – (v) 4. – (vi)
5. – (ii) 6. – (i)

सोचो जरा सोचो:

☆ नहीं, क्योंकि सुबह उठना ही सबसे पहला काम है उसके बाद तो पूरे दिन काम ही काम रहते हैं।

करके देखिए: एक लड़की पार्क में कुत्ते को घूमा रही है। भोलू साइकिल चला रहा है। दादाजी टहल रहे हैं। पिंकी योगासन कर रही है। चिंटू पुस्तक पढ़ रहा है। नवीन व जीवन तितलियाँ पकड़ रहे हैं। प्रथम व नव्या फुटबॉल से खेल रहे हैं। चंचल झूला झूल रही है। मयंक पेड़ पर चढ़ रहा है। प्रवेश ने कुछ खाकर थैली वहीं पर फैंक दी है। इस प्रकार सभी कुछ न कुछ क्रिया कर रहे हैं।

पाठ—8. काल

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. क्रिया के जिस रूप से किसी कार्य के करने या होने के समय बोध होता है, उसे काल कहते हैं।
2. काल के तीन भेद होते हैं।
3. समय का मतलब काल होता है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) समय को [✓]
2. (ii) भविष्यत् काल [✓]
3. (i) क्रिया [✓]

(ब) 1. – (iv) 2. – (v)
3. – (ii) 4. – (i)
5. – (iii)

(स) भविष्यत्काल— पढ़ेंगे, खेलेगा, नहाएगा।
वर्तमानकाल— धो रहा है, उड़ रहा है, दौड़ता है।
भूतकाल— हँसा, सोचा, किया।

(द) 1. भूतकाल 2. भूतकाल
3. भूतकाल 4. भविष्यत् काल
5. वर्तमानकाल

(य) 1. – (iii) 2. – (iv)
3. – (i) 4. – (ii)
5. – (vi) 6. – (v)

सोचो जरा सोचो:

☆ दादाजी, दादीजी, मेरे माता-पिता, चाचा-चाची, बुआ आदि रहते थे और मेरे बाद मेरे बच्चे रहेंगे।

करके देखिए- छात्र-छात्राएँ स्वयं करें; जैसे- कल मैंने कपड़े धोए, आज मैं प्रेस कर रहा हूँ और कल पहनूँगा। नित्यकर्म - उठना, शौच जाना, दातुन करना, नहाना, कपड़े पहनना, नास्ता करना, स्कूल जाना, खाना-खाना, खेलना, सोना आदि कार्य कल भी किए थे, आज भी कर रहा हूँ और कल भी करूँगा।

पाठ—9. लिंग

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. लिंग पुरुष-जाति या स्त्री-जाति का बोध कराने वाले शब्दों के कहते हैं।
2. लिंग की पहचान क्रिया तथा विशेषण द्वारा होती है।
3. उभय लिंग स्त्री-जाति व पुरुष-जाति के लिए समान रूप से प्रयोग किये जाने वाले संज्ञा शब्दों को कहते हैं।
4. हिंदी में लिंग के दो भेद होते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) पुरुष [✓]
2. (iv) प्रधानमंत्री [✓]
3. (iv) नर कोयल [✓]

(ब) **1.** लड़का **2.** अभिनेत्री
3. बुद्धिमान **4.** पंडिताइन
5. हथिनी **6.** मादा मक्खी

(स) **1.** शिष्या शिक्षा प्राप्त करती है।
2. नौकरानी मालकिन के साथ जा रही है।
3. माताजी बुद्धिमती हैं।
4. वह घर जाती है।
5. यह उसकी पड़ोसन है।

(द) **पुल्लिंग शब्द:** घोड़ा, आम, अप्रैल, गुलाब, सोमवार, भारत, ऐनक, पकौड़े, शेर दूध।
स्त्रीलिंग शब्द: मटर , दादी, यमुना, देवनागरी, बोतल, लीची, कलम, नदी, पुस्तक, मेज।

सोचो जरा सोचो:

☆ नहीं, क्योंकि ज्यादातर प्राणियों के पुल्लिंग होते हैं; जैसे- आदमी-औरत बैल-गाय, शेर-शेरनी आदि। नर या मादा केवल उन प्राणियों में लगाते हैं जिनके पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्द नहीं हैं: मछली = नर मछली व मादा मछली, कौआ = नर कौआ व मादा कौआ आदि।

करके देखिए- 5. भगवान-भगवती। 6. मेरा-मेरी। 8. शिक्षक-शिक्षिका। 9. गया-गयी। 10. श्रीमान-श्रीमती।

पाठ -10
वचन

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. संख्या बताने वाले शब्दों को वचन कहते हैं।
2. वचन के दो भेद होते हैं।
3. एक वचन क्रिया के साथ बहुवचन क्रिया का प्रयोग आदर देने के लिए।
4. वचन की पहचान संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण व क्रिया से होती है।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) **1.** (i) संख्या बताने वाले शब्दों को [✓]
2. (iii) बहुवचन [✓]
3. (iii) प्राण [✓]
4. (i) जातिवाचक संज्ञा [✓]

(ब) **1.** गधे। **2.** पुस्तकें।
3. कविताएँ। **4.** वधुएँ।
5. चिड़ियाँ। **6.** ये सेब।

(स) **1.** मिठाइयों पर मक्खी भिनभिना रही है।
2. वे कक्षा में पढ़ रहीं है।
3. गाने सुनकर श्रोता झूम उठे।
4. दवा पर तारीख लिखी होती है।
5. चिड़ियाँ उड़ रहीं हैं।

(द) **1.** छात्र कक्षा में बैठा है।
छात्र कक्षा में बैठे हैं।
2. साधु मठ में रहता है।
साधु मठ में रहते हैं।
3. मुझे आपसे बात करना है।

मुझे आपसे बातें करनी हैं।

4. सैनिक ने गोली चला दीं।
   सैनिकों ने गोलियाँ चला दी।

सोचो जरा सोचो:

☆ नहीं

☆ क्रिया से; जैसें- हस्ताक्षर कर दिये। आँसू आ गये। प्राण निकल गये।

करके देखिए:

छात्र-छात्राएँ अपनी-अपनी कक्षा के अनुसार स्वयं करें, जैसे-एकवचन: कक्षा बोर्ड, शिक्षक, शिक्षिका, मेज, अलमारी आदि।

बहुवचन: छात्र, छात्राएँ, मेंजे, बेंचे, पुस्तकें, कापियाँ, बस्ते आदि।

पाठ -11
कारक

देखिए, पढ़िए, समझिए: के...में...पर...ने...से...को।

आओ करें—

अब बताइए (वाचन कौशल):

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ सम्बन्ध पता चलता है, उसे कारक कहते हैं।
2. कारक आठ प्रकार के होते हैं।
3. करण कारक का प्रयोग साधन के लिए होता है तथा अपादान कारक का प्रयोग अलग होने के लिए होता है। जैसे- हाथ से लिखा - (करण) तथा हाथ से गिरा - (अपादान)।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (i) कारक-चिन्ह (✓)
2. (ii) कारक चिन्हों को (✓)
3. (i) कर्म (✓)

(ब) 1. (iv) 2. (iii)
3. (ii) 4. (i)

(स) 1. पेड़ से आम गिर पड़ा।
2. मरीज के लिए दवा लानी है।
3. हे! राम, ये क्या हो गया?
4. ये सोनल की माँ है।

(द) 1. में 2. का
3. से 4. के लिए

सोचो जरा सोचो:

☆ 'साइकिल से घर जाना' में साइकिल जाने का साधन है, अत: यहाँ से करण कारक है तथा 'साइकिल से गिर जाना' में साइकिल से अलग हो रहा है, अत: यहाँ से अपादान कारक है।

☆ नहीं।

करके देखिए:

2. कर्म - सेब - को
3. करण - चाकू - से
4. सम्प्रदान - बच्चे - के लिए
5. अपादान - पेड़ - से
6. सम्बन्ध - उस - के
7. अधिकरण - पिता - पर
8. सम्बोधन - अरे! - अरे!

पाठ -12
अविकारी शब्द

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. अविकारी शब्द विकार शब्द में अ उपसर्ग बनाया गया है।
2. अविकारी शब्द को अव्यय इसलिए कहा जाता है क्योंकि इन शब्दों में कुछ भी व्यय (खर्च) अर्थात् विकार नहीं होता।
3. अविकार शब्द लिंग, वचन और काल के प्रभाव से कोई परिवर्तन न होने वाले शब्दों को कहते हैं तथा ये चार प्रकार के होते हैं।
4. क्रिया-विशेषण क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को कहते हैं तथा ये चार प्रकार के होते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

(अ) 1. (ii) समुच्चयबोधक अव्यय (✓)
2. (ii) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण (✓)
3. (i) सम्बन्धबोधक अव्यय (✓)

4. (i) सम्बन्धबोधक अव्यय (✓)
5. (iv) विस्मयादिबोधक अव्यय (✓)

(ब) 1. के पीछे 2. के अंदर
3. के ऊपर 4. के बाहर
5. के साथ

(स) 1. कल – कालवाचक क्रिया-विशेषण
2. आजकल – कालवाचक क्रिया-विशेषण
3. अचानक – रीतिवाचक क्रिया-विशेषण
4. अधिक – परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण

(द) 1. और 2. या
3. क्योंकि 4. अन्यथा
5. परन्तु

(य) 1. शबाश! 2. बाप रे!
3. छि:! 4. काश!
5. हाय!

(र) 1. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण अव्यय
2. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण अव्यय
3. सम्बन्धवाचक अव्यय
4. समुच्चयबोधक अव्यय
5. विस्मयादिबोधक अव्यय

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ, हमारे नाम अविकारी शब्द हैं; क्योंकि हमारे नाम में लिंग, वचन और काल के आधार पर कोई विकार नहीं आता, जैसे – राम या सीता के लिंग और वचन में कोई बदलाव नहीं आता।

करके देखिए:

1. मयंक ने गेंद फेंकी।
2. सचिन ने बल्ला घुमाया।
3. गेंद उसके बल्ले से लगकर **जोर** से उछली।
4. राहुल ने **उछलकर** कैच पकड़ने का प्रयास किया।
5. विकेट कीपर **और** बॉलर ने **चीखकर** कैच पकड़ने के लिए कहा।
6. शॉट **बहुत तेज और ऊँचा** था।
7. गेंद राहुल के सिर **के ऊपर** से बाउण्ड्री **के बाहर** जाकर गिरी।
8. इस प्रकार सचिन को छह रन मिले।

पाठ -13
विराम-चिह्न

आओ करें–

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. विराम-चिन्ह लिखित भाषा में विराम को प्रदर्शित करने वाले चिन्हों को कहते हैं।
2. विराम-चिन्ह का प्रयोग वाक्य के अर्थ को समझने के लिए किया जाता है।

अब लिखित (लेखन कौशल):

1. (i) विस्मयादिबोधक चिह्न से (✓)
2. (ii) उद्धरण चिह्न (✓)
3. (iii) पूर्ण विराम (✓)
4. (iv) प्रश्नवाचक चिह्न (✓)
5. (i) लाघव चिह्न (✓)

(द) नीम, "अरे भाई पीपल! तुम आज इतने मुरझाए – से क्यों लग रहे हो?" पीपल, "क्या करूँ? पर्यावरण असंतुलन के कारण गर्मी बहुत पड़ रही है, बारिश कम हो रही है।" नीम, "हाल तो मेरा भी कुछ-कुछ ऐसा ही है। सुना है, बाहर के रास्ते पर एक होटल बन रहा है; सभी छोटे-बड़े पेड़ों को काट दिया जाएगा।" पीपल, "अरे! यह ठीक नहीं है; जाओ, उन्हें रोको, पेड़ काटने से रोको।" इतने में पास ही रेडियो से आवाज आई, कोई कह रहा था– हरियाली है जहाँ, समृद्धि है वहाँ।

सोचो जरा सोचो:

☆ ट्रेफिक पुलिस के सिपाही के संकेतों से या लाल, पीली और हरी बत्तियों से।

☆ कॉमर्सियल ब्रेक देकर।

करके देखिए:

एक हाथी था। वह रोज नदी से वापस आते समय दर्जी की दुकान पर रुकता था। दर्जी उसे रोज एक केला देता था। एक दिन दुकान पर दर्जी नहीं था, उसका बेटा बैठा था। रोज की तरह हाथी ने आकर अपनी सूँढ़ फैला दी। दर्जी के लड़के ने उसकी सूँढ़ में सूई चुभो दी। हाथी को गुस्सा आ

गया और उसने अपनी सूँढ़ में गंदा पानी भर लिया। लोटते समय उसने वो सारा गंदा पानी उस दर्जी की दुकान में उड़ेल दिया, जिससे उसकी दुकान के सारे कपड़े खराब हो गये।

पाठ -14
शब्द-भंडार

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. पर्यायवाची शब्द मिलता-जुलता अर्थ देने वाले शब्द को कहते हैं।
2. विलोम शब्द एक-दूसरे का उलटा अर्थ देने वाले शब्द को कहते हैं।
3. अनेकार्थी शब्द एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्द को कहते हैं।

अब लिखिए (लेखन कौशल):

1. (i) पर्यायवाची (✓)
2. (ii) विलोम (✓)
3. (iv) श्रुतिसम-भिन्नार्थक (✓)

(ब) 1. विषम 2. अन्याय
3. नवीन 4. विक्रय

(स) 1. गोद - माँ ने बच्चे को अंक में भर लिया।
संख्या - मेरे परीक्षा में कम अंक आये हैं।
2. वस्त्र - श्रीकृष्ण ने पीत पट धारण कर रखे हैं।
दरवाजा - भिखारी को देखकर उसने पट बन्द कर दिये।
3. दिन - आज रविवार है।
प्रहार - उसने चाकू से वार किया।
4. लोहा - आग से सार भी भस्म बन जाता है।
तत्व - कर्म-योग गीता का सार है।

(द) 1. (v) 2. (iii)
3. (iv) 4. (i)
5. (ii)

सोचो जरा सोचो:

☆ दाल, चावल, गेंहू आदि अनाज।

करके देखिए:

ऊपर से नीचे—

1. गजानन 2. नया
3. खतरनाक 4. काम

दाएँ से बाएँ—

1. गन्दगी 2. नवीन
3. खग 4. हाथ

पाठ -15
मुहावरे और लोकोक्तियाँ

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. मुहावरा साधारण अर्थ न देकर विशिष्ठ अर्थ देने वाले वाक्यांश को कहते हैं।
2. लोकोक्ति साधारण अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ देने वाले स्वतन्त्र रूप से प्रयुक्त वाक्य को कहते हैं।
3. मुहावरा वाक्यांश होता है तथा लोकोक्ति अपने आप में पूरा वाक्य होती है।
4. भाषा रोचक व सुन्दर मुहावरे व लोकोक्ति के प्रयोग से बनती है।

अब लिखिए: (लेखन कौशल):

1. (ii) लोकोक्तियाँ (✓)
2. (i) मुहावरे (✓)
3. (i) टाँग अड़ाना (✓)
4. (iii) खोदा पहाड़ निकली चुहिया (✓)
5. (iv) विकल्प (i) व (ii) (✓)

(ब) 1. एकमात्र सहारा होना - मोहन अपने माता-पिता के लिए अंधे की लाठी है।
2. बुरी तरह हराना - आईपीएल में मुम्बई इण्डिन ने चैन्नई सुपरकिंग के छक्के छुड़ा दिए।
3. रीति के विरुद्ध काम करना - हिन्दी के शिक्षक से अंग्रेजी पढ़वाना उल्टी गंगा बहाना है।
4. घमण्ड करना - इंजीनियर बनते ही सोनम के पैर जमीन पर नहीं पड़ रहे हैं।

(स) 1. ओखली में सिर देना।
2. भैंस के आगे बीन बजाना।

3. चिराग तले अँधेरा।
4. आम के आम गुठलियों के दाम।

(द) 1. दिन रात एक कर दिया।
2. अँगूठा दिखा दिया।
3. चूहे कूद रहे हैं।
4. जिससे वो उल्टी गंगा बहाती है।

सोचो जरा सोचो:

☆ हाँ क्योंकि वो एकमात्र सहारा होता है।

करके देखिए:

1. आँख लगना
2. अंगूठा दिखाना
3. पैर जमीन पर न पड़ना
4. नाक रगड़ना
5. हाथ मलना, पेट पर लात मारना
6. मुँह की खाना आदि।
7. ऊँट के मुँह में जीरा
8. भैंस के आगे बीन बजाना
9. घर की मुर्गी दाल बराबर
10. खोदा पहाड़ निकली चुहिया
11. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

पाठ -16
अपठित गद्यांश

(अ) 1. पुस्तकालय
2. पुस्तकालय पुस्तकें रखने के कक्ष को कहा जाता है।
3. पुस्तकालय में पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएँ, अखबार, चार्ट आदि चीजें होती हैं।
4. विद्यालय में बच्चे अखबार पुस्तकालय में बैठकर पढ़ते हैं।
5. 'किताबें' का पर्यायवाची शब्द पुस्तकें हैं।

(ब) 1. (iii) 2. (i)
3. (iii) 4. (iv)
5. (ii)

आओ करें—

अब बताइए: (लेखन कौशल):

1. 1. भारतीय किसान
2. किसान
3. किसान अभाव व भूख के साथ-साथ गर्मी, सर्दी और बरसात की मार सहन करते हुए अपने कर्त्तव्य का पालन करता है।
4. हमें किसानों के पलायन को रोकना चाहिए।
5. पग-पग

2. 1. (i) समय
2. (iii) सही नियोजन न कर के
3. (ii) समय
4. (ii) समय का सदुपयोग
5. (i) व्यक्तियों के लिए

पाठ -17
पत्र-लेखन

आओ करें—

अब लिखिए (लेखन कौशल):

1. दिनांक: 15-07-20xx
सेवा में,
प्रधानाचार्य
रोजवुड पब्लिक स्कूल
लक्ष्मी नगर, भोपाल (म.प्र.)
महोदय,
सविनय निवेदन है कि इन दिनों काफी तेज गर्मी पड़ रही है और हमारे विद्यालय में पानी पीने की जो निर्धारित व्यवस्था है उस पर इन दिनों बहुत भीड़ रहती है जिससे हमें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अत: प्रत्येक कॉरिडोर में पीने के पानी की उचित व्यवस्था करने की कृपा करें।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
मनोज कुमार
कक्षा-5 अ

2. दिनांक 02-07-20xx
सेवा में
प्रधानाचार्य

संस्कार पब्लिक स्कूल
सांगानेर रोड, जयपुर (राज.)
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा पाँच (ब) का छात्रा/की छात्रा हूँ। मेरे पिताजी एक प्राइवेट विद्यालय में शिक्षक हैं। उनको मिलने वाले वेतन से हमारे परिवार का भरण-पोषण बड़ी मुश्किल से हो पा रहा है। इस स्थिति में आपके विद्यालय का शुल्क भर पाने में बड़ी परेशानी होती है। मैं आपके विद्यालय की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करता/करती हूँ। अत: श्री मान जी से निवेदन है कि गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी मेरा शुल्क माफ करने की कृपा करें जिससे में अपनी पढ़ाई जारी रख सकूँ।
आपकी अति कृपा होगी।
आपका आज्ञाकारी शिष्य / शिष्या
देवेन्द्र सिंह / रागिनी सिंह
कक्षा-5 (ब)

3. 20 सिंधिया सोसायटी
अँधेरी ईस्ट, मुम्बई (महाराष्ट्र)
प्रिय मित्र सत्यम!
सप्रेम नमस्ते!
मैं यहाँ स्वस्थ और कुशल हूँ आशा करता हूँ कि तुम भी सपरिवार स्वस्थ व कुशल होंगे। आज दीदी का पत्र आया। उससे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुमने कांदीवली निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अत: मेरी ओर से इस सफलता के लिए तुमको बहुत बहुत बधाई है। अंकल-आण्टी को मेरा प्रणाम कहना। शेष मिलन पर।
तुम्हारा मित्र
शुभांक जानी

पाठ -18
संवाद-लेखन

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

(अ) 1. पंकज - अरे वाह! चलो मेरे साथ चलो।

2. वरुण - पर मैं तो क्रिकेट खेलने जा रहा हूँ।

3. पंकज - मैं भी क्रिकेट खेलने ही जा रहा हूँ।

4. वरुण - तब तो ठीक है मैं भी चलता हूँ।

5. पंकज - चलो, जल्दी चलो।

(ब) 1. बच्चा - अंकल, मुझे खिलौने लेने हैं, मुझे खिलौने दिखाइए। दुकानदार - देखो, इतने सारे खिलौने यहाँ लगे हुए हैं, तुम्हें जो पसन्द हो वो ले लो। बच्चा - ये नहीं अंकल, मुझे लूडो आदि गेम दिखाइए। दुकानदार - अच्छा दिखाता हूँ। दुकानदार - ये देखो कैरम बोर्ड, लूडो, साँप-सीढ़ी, व्यापार आदि। बच्चा - अंकल मुझे ये वाला लूडो गेम दे दो। दुकानदार - ठीक है बेटा।

2. सब्जी वाला - सब्जी ले लो... सब्जी!
महिला - अरे सब्जी वाले भैया सब्जी ताजी तो हैं। सब्जी वाला - बिलकुल ताजी है बहन जी, मैं सीधा मंडी से यहीं आया हूँ। महिला - अच्छा, गोभी, टमाटर और आलू क्या भाव दे रहे हो सब्जी वाला - बहन जी आलू 20 रुपये किलो, गोभी 25 रुपये किलो और टमाटर 30 रुपये किलो है। महिला - तुम तो बहुत मँहगी सब्जी दे रहे हो। सब्जी वाला - बहन जी मँहगी कहाँ है जो भाव मंडी में है वही भाव लगा रहा हूँ। महिला - अच्छा चलो, 2 किलो आलू, 1 किलो गोभी और 1* किलो टमाटर दे दो और 100 - 100 ग्राम धनिया, हरीमिर्च और अदरक भी दे देना। सब्जी वाला - और कुछ बहन जी, ये पालक देखो बिलुकल ताजा है।
महिला - पालक नहीं चाहिए 100 ग्राम नीबू और दे दो। सब्जी वाला - ठीक है, जैसी आपकी मर्जी।

3. मरीज – डॉक्टर साहब नमस्ते! डॉक्टर – नमस्ते! कहो कैसे आना हुआ। मरीज – डॉक्टर साहब कल रात से मुझे बुखार आ गया है। डॉक्टर – ठीक है, मैं दवा दे रहा हूँ, चार-चार घण्टे बाद दिन में तीन बार दवा लेना और परसों सुबह मुझे बताना। मरीज – ठीक है डॉक्टर साहब। खाने में क्या क्या खाना है? डॉक्टर – बासी और ज्यादा तेल – मिर्च का खाना मत खाना, बाकी सब कुछ खा सकते हो।
4. पिता – रोहन! इधर आना। रोहन – जी पिताजी। पिता – क्या कर रहे हो। रोहन – गृहकार्य कर रहा हूँ। पिता – जब देखो तब तुम लिखते रहते हो, कभी याद भी करते हो। रोहन – जी पिताजी, मैं सुबह के वक्त याद करता हूँ। पिता – ठीक है, जाओ अपना काम पूरा करो और हाँ कल शाम को तैयार रहना, हम घूमने जायेंगे। रोहन – जी पिताजी।

पाठ -19
अनुच्छेद-लेखन

आओ करें—

अब बताइए: (वाचन कौशल):

1. **परोपकार:** परोपकार एक दुर्लभ मानवीय गुण है। यह वह कठिन डगर है, जहाँ तन-मन को कष्टों की अग्नि में तपाकर तलवार की धार जैसे सेवा-मार्ग पर चलना पड़ता है। तभी तो परोपकारी व्यक्ति सामान्य मनुष्य की कोटि से उठकर ईश्वर के समान हो जाता है। इतिहास के पन्नों में उसका नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित हो जाता है। सिद्धार्थ का सांसारिक सुख त्याग, वज्र बनाने हेतु महर्षि दधिचि का अपनी हड्डियों का दान, शिवि का अपने शरीर का मांस दान, शहीदों का राष्ट्रहित में अपना बलिदान परहित की साधना ही तो है। वास्तव में यह वह महान त्याग है जिससे विश्व का कल्याण निहित है। इसी से मोक्ष का द्वार भी खुलता है।
2. **भारी बस्ते का बोझ:** प्रतियोगिता और दिखावे के इस युग में माता-पिता अपने बच्चों को जल्दी से जल्दी स्कूल भेज देना चाहते हैं। अब तो प्ले स्कूल के पाठयक्रम को छोड़ दें तो नर्सरी कक्षा से ही पुस्तकों की संख्या विषयानुसार बढ़ने लगती हें। एक-एक विषय की कई पुस्तकें विद्यार्थियों के थैले में देखी जा सकती हैं— कुछ व्याकरण के नाम पर तो कुछ अभ्यास-पुस्तिका के नाम पर। हद तो तब हो जाती है जब शब्दकोश तक बच्चों को विद्यालय ले जाते देखा जाता है। भारी बस्ते के बोझ से बच्चे झुककर चलने को विवश रहते हैं। जिससे कम उम्र में ही उन्हें रीढ़ की हड्डी में दर्द रहने की समस्या शुरू हो जाती है। अब सोचने का समय आ गया है कि भारी बस्ते को किस तरह हल्का किया जाए क्योंकि भारी बस्ते का बोझ बच्चों का बचपन ही निगल रहा है।
3. **सर्दी के दिनों की सुबह:** सर्दी के दिनों में सुबह अत्यधिक सर्दी व कोहरा पड़ता है। स्कूलों में विंटर वेकेशन हो जाती है इसलिए हम देर तक रजाई में दुबके रहते हैं। एक दिन शाम को हमने अपने दोस्तो / सहेलियों के साथ सुबह घूमने का कार्यक्रम बनाया। दूसरे दिन सुबह 6 बजे हम सब अपने घर के पास पार्क में इकट्ठा हुए तो हमने देखा कि पार्क की घास पर ओस की बूदें पड़ी हुई थीं। चारों तरफ कोहरा इतना था कि हमें आस-पास के मकान व पेड़-पौधे दिखाई नहीं दे रहे थे। यहाँ तक कि सामने से आने वाले वाहनों की केवल लाइटें ही दिखाई दे रही थी। कुत्ते पार्क के कोने में सिकुड़ कर बैठे हुए थे। हम लोग कई बार सामने से आने वाली साईकिल व गाय-भैंस से टकराते-टकराते बचे थे। अत्यधिक ठंड

के कारण हम काँप रहे थे और हमारे दाँत किटकिटा रहे थे। सूरज देवता के दूर दूर तक दर्शन नहीं थे। इस स्थिति में हमें समय का अंदाजा भी नहीं हुआ क्योंकि वहाँ का वातावरण अभी भी सुबह के 6 बजे जैसा ही दिखाई दे रहा था। हम घर वापस आकर फिर से रजाई में घुस गये और धूप निकलने का इंतजार करते रहे पर पूरे दिन धूप नहीं निकली।

4. **ऑन लाइन कक्षा:** ऑनलाइन कक्षा छात्रों के लिए शारीरिक रूप से स्कूल गए बिना इंटरनेट के माध्यम से सीखने का एक सुविधाजनक तरीका है। यह उन लोगों के लिए एक फायदेमंद ऑप्शन है जो दूरी या कार्य प्रतिबद्धताओं के कारण स्कूल नहीं जा सकते हैं, वे अपनी पूरी शिक्षा ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं और सर्टिफिकेट हासिल कर सकते हैं। कोरोना के कारण हाल के वर्षों में ऑनलाइन कक्षा ने काफी लोकप्रियता हासिल की है। साथ ही, ऐसी कई सुविधाएँ भी हैं जिनसे ऑनलाइन के जरिए हिंदी, अंग्रेजी, गणित जैसे विभिन्न विषयों को पढ़ा जा सकता है। यह बच्चों के लिए काफी फायदेमंद होता है। अत: जैसे-जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और टूल आगे बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे शिक्षा का स्वरूप भी बदलता जा रहा है। ऑनलाइन कक्षा में शिक्षा के विकास और सुधार की अपार सम्भावाएँ दिखाई दे रही हैं। आज ऑन लाइन कक्षा शिक्षण पारम्परिक कक्षा शिक्षण का एक मूल्यवान विकल्प बनता जा रहा है।

5. **स्वच्छता अभियान:** स्वच्छता अभियान भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक स्वच्छता मिशन है। यह अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 वें जन्मदिन के अवसर पर भारत सरकार की ओर से अधिकारिक तौर पर शुरू किया गया था। यह महात्मा गाँधी की समाधि राजघाट, नई दिल्ली में शुरू किया गया था। इसके अन्तर्गत भारत सरकार ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती 2 अक्टूबर 2019 तक पूरे देश को स्वच्छ कर देने का लक्ष्य रखा था। यह एक राजनीति मुक्त अभियान है और देशभक्ति से प्रेरित है। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक जिम्मेदारी है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्व स्तर पर लोगों ने पहल की है। शिक्षक और स्कूल के छात्र इसमें पूर्ण उत्साह और उल्लास के साथ शामिल हो रहे है और 'स्वच्छता अभियान' को सफल बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

पाठ -20
निबंध-लेखन

आओ करें—

अब लिखिए:

1. विज्ञान और हम
2. इंटरनेट
3. व्यायाम और स्वास्थ्य
4. चुनाव और हम
5. किसी दुर्घटना का वर्णन
6. नदियों में प्रदूषण
7. पेड़-पौधे और हम
8. वर्षा ऋतु
9. मेरा प्रिय त्योहार

विस्तार पूर्वक—

1. **विज्ञान और हम—**वर्तमान युग विज्ञान का युग है। विज्ञान का पिता गैलीलियो गैलीली को माना जाता है। विज्ञान के चमत्कारों ने पूरे विश्व को प्रभावित किया है। विज्ञान का हमारे जीवन पर भी अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। हम स्वयं को विज्ञान से पृथक रखकर जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते। विज्ञान के विविध आविष्कारों ने हमें सुविधाजनक बना दिया है। विज्ञान के द्वारा जीवन के सभी पहलुओं पर आविष्कार व खोजे हुई है। शिक्षा, चिकित्सा व्यापार, मनोरंजन, उद्योग

क्षेत्र आदि में विज्ञान की बड़ी उपलब्धि देखी जा सकती है आज मानव चाँद पर भी पहुँच गया बल्कि 18 दिन तक शुभांशु शुक्ला ने रहकर यह सिद्ध कर दिया है कि विज्ञान के आविष्कार, उपयोगिताएं, महत्व दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहे हैं।

विज्ञान की ही प्रमुख देन बिजली, नेटवर्क, इंटरनेट, बिल-बैंक, ऑन लाइन जॉब, शॉपिंग आदि ने यह साबित कर दिया है कि आज का जीवन विज्ञान पर अधिक निर्भर है। विज्ञान का दुरुपयोग भी संभव है। विनाशकारी शस्त्रों का निर्माण, परमाणु बम आदि का निर्माण विज्ञान का दुरुपयोग भी हो सकता है।

2. **इंटरनेट—**इंटरनेट कम्प्यूटरों का एक विश्वव्यापी नेटवर्क है। इंटरनेट में बहुत से स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क होते हैं। यह कंप्यूटरों का ऐसा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। जो लाखों उद्यमों, सरकारी एजेंसियों, शैक्षिक संस्थाओं और व्यक्तियों आदि को परस्पर जोड़ता है।

इंटरनेट का इस्तेमाल प्रयोग दुनियां भर में कई तरह के कामों के लिए किया जाता है।

जैसे—ईमेल भेजना, ऑनलाइन चैंटिग, फाइल ट्रांसफर, वेबीनार आदि।

इंटरनेट के द्वारा वर्ल्ड वाईड वेब तक संपर्क किया जा सकता है।

किसी भी विषय पर जानकारी, शोध, समाचार, ओडियो, वीडियो द्वारा संपर्क, मीटिंग, ऑनलाइन खरीदारी, जॉब वर्क, बैंकिग, बिल-भुगतान आदि सभी क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा ने कार्यों को आसान बना दिया है।

3. **व्यायाम और स्वास्थ्य—**व्यायाम वह गतिविधि है जो शरीर को स्वस्थ्य रखने के साथ व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य को भी बढ़ाती है। यह कई अलग-अलग कारणों के लिए किया जाता है, जिनमें शामिल है:— मांसपेशियों को मजबूत करना, हृदय प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, वजन घटाना या फिर सिर्फ आनंद के लिए।

व्यायाम शब्द वि और आयाम से मिलकर बना है, जिसका आशय है व्यायाम, किसी एक क्रिया का नाम न होकर इसमें कई सारी क्रियाएँ समाहित होती है जिनका उद्देश्य व्यक्ति के शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिवान बनाना है। योगासन, खेल-कूद, शाम-सवेरे का भ्रमण, प्राणायाम, अंग-प्रत्यंग क्रियाएं यथा उठक-बैठक, टहलना, आसन, ध्यान, तैरना, मुगदर आदि को समाहित कर जो नाम दिया जाता है वह व्यायाम है।

प्रत्येक व्यक्ति में रोगजनक कीटाणु एक मात्रा में होते हैं मगर हमारा शरीर पर्याप्त शक्तिशाली होने के कारण वे अपना प्रभाव दिखा नहीं पाते हैं मगर जैसे ही शरीर में दुर्बलता आती है हम बीमार पड़ जाते हैं, मगर जो व्यक्ति नित्य व्यायाम करता है वह कभी भी बीमार नहीं पड़ता है।

व्यायाम आलस्य को दूर कर शरीर में स्फूर्ति का संचार करता है। रक्त का परिसंचरण सही ढंग से होने लगता है तथा भोजन भी ठीक तरह से पचता है इस तरह वह रोगों से दूरी बना लेता है।

4. **चुनाव और हम—**चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है, जो नागरिकों को अपने नेता चुनने और अपने देश के शासन को प्रभावित करने की शक्ति प्रदान करते हैं। ये निष्पक्षता, समानता और प्रतिनिधित्व के सिद्धांतों को कायम रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि मतपेटी के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति की आवाज सुनी जाए।

एक लोकतांत्रिक देश में, प्रत्येक व्यक्ति को अपने राजनीतिक विचार व्यक्त करने का अधिकार है। इसे मताधिकार कहते हैं। यह चुनाव का प्रमुख तत्व है। भारत में 18 वर्ष

की आयु में वयस्कता में प्रवेश करने वाले लोग अपना वोट डाल सकते हैं।

चुनाव हमें हर सत्र में सर्वश्रेष्ठ नेता चुनने की शक्ति देता है। अगर कोई नेता उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर रहा है, तो उसे अगले मतदान सत्र में बदला जा सकता है। हमें बस जनता में सही निर्णय लेने के लिए उचित जागरूकता की आवश्यकता है। लोकतंत्र यही है। आगामी मतदान सत्र में किसी अवांछित उम्मीदवार को उपयुक्त उम्मीदवार से बदलने की शक्ति हमारे पास होती है। चुनाव राजनीतिक नेताओं को चुनने का एक शांतिपूर्ण और प्रभावी तरीका है। इसके अलावा देश के लोग वोट देकर अपने नेता चुनते हैं। इस तरह, नागरिक किसी ऐसे व्यक्ति को चुन सकते हैं जिसके विचार उनके विचारों से सबसे ज्यादा मिलते हैं।

5. **किसी दुर्घटना का वर्णन**—दुर्घटना अचानक घटने वाली दुखद घटना होती है। एक दिन स्कूल से लौटने पर सड़क पर भीड़ लगी थी। वहाँ एक दुर्घटना हो गई थी। एक स्कूटी सवार को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी वह घायल अवस्था में गिरा हुआ था और वहाँ खड़े लोगों ने प्राथमिक चिकित्सा देने के साथ 108 नं. पर एम्बुलेंस बुलाई, उसे अस्पताल ले गए। मुझे भी याद आया, स्कूल में यातायात के नियम "पाठ में टीचर ने बताया था एम्बुलेंस सहायता के लिए 108, पुलिस सहायता के लिए 112 और हाईवे दुर्घटना पर मदद् के लिए 1033 नं. से सहायता लेनी चाहिए"।

सड़क दुर्घटना को देखकर मुझे बहुत दुख हुआ सड़क पर चलते समय नियमों का पालन करना चाहिए—एक छोटी सी लापरवाही भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है सुरक्षित रहना व दूसरों को सुखी रखना हमारा कर्तव्य है।

यातायत से संबंधित अति महत्वपूर्ण नियम इस प्रकार हैं जिनका ज्ञान सभी को होना चाहिए।

1. मोबाइल का प्रयोग करते हुए वाहन न चलाए।

2. नशा करके वाहन न चलाए।

3. सीटबेल्ट / हैलमेट का प्रयोग वाहन चलाते समय करें।

4. स्पीड/ओवरलोडिग वाहन न चलाएं।

6. **नदियों में प्रदूषण**—नदियाँ धरती का आभूषण और हमारे जीवन का आधार है। आजकल नदियाँ बहुत प्रदूषित हो गई हैं। कारखानों का गंदा पानी, कूड़ा-कचरा और प्लास्टिक नदियों में डाला जाता है। इससे जल गंदा हो जाता है और जीव-जंतु मरने लगते हैं। नदियों का प्रदूषण हमारे लिए भी खतरनाक है, क्योंकि हम इसी पानी का उपयोग करते हैं।

नदियों को बचाने के लिए सरकार ने कई योजनाएँ चलाई हैं। "नमामि गंगे योजना" एक प्रमुख योजना है, जिसके तहत गंगा नदी की सफाई का कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नदियों के किनारे सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं।

हमें भी नदियों को प्रदूषित करने से बचना चाहिए—किसी भी विशेष पर्व, त्यौहार पर सिल्वर पन्नी के दोनों में दीया न जलाकर, ढ़ाक के पत्तों के दोनों में दीया जलाकर प्रवाहित करना चाहिए।

मूर्तिपूजन के बाद विसर्जन सामग्री, नई गाड़ी, भैंस, साबुन से स्नानादि नहीं करना/कराना चाहिए। तभी प्रकृति से प्रदान मनुष्य को वरदान रूपी सम्पदाओं से जल संपदा का भी लाभ मिल सकता है।

7. **पेड़-पौधे और हम**—पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है। वे हमें ऑक्सीजन देते हैं, जिससे हम सांस ले पाते है। पेड़-पौधे

हमें फल-फूल, लकड़ी और औषधियाँ भी देते हैं। उनके कारण वर्षा होती है और धरती की हरियाली बनी रहती है। पेड़-पौधे हमें छाया और पक्षियों को रहने का स्थान देते हैं।

आज पेड़ गैर-कानूनी काटे जा रहे है जिससे प्रदूषण और गर्मी बढ़ रही हैं। हमें पेड़-पौधों की रक्षा करनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए।

सरकार भी पेड़ काटने से रोकती है और स्वच्छ भारत मिशन और "हरित भारत अभियान" से भी पेड़-पौधों की संख्या बढ़ाई जा रही है। वन संरक्षण अधिनियम 1980 के तहत बिना अनुमति पेड़ काटना मना है।

पेड़-पौधे धरती का आभूषण हैं। वे हमें बिना कुछ मांगे सब कुछ दे देते हैं।

हमें पेड़-पौधों का ध्यान रखना चाहिए।

8. **वर्षा ऋतु**—वर्षा ऋतु वर्ष के चार ऋतुओं में से एक महत्वपूर्ण ऋतु है। यह ग्रीष्म ऋतु के बाद आती है इस ऋतु को बरसात, सावन ऋतु भी कहते हैं।

यह ऋतु मुख्य रूप से जून से सितम्बर तक होती है। इस समय आकाश में काले बादल छा जाते है और तेज बारिश होती है।

वर्षा के समय पेड़-पौधे हरे-भरे हो जाते हैं, नदियाँ पानी से भर जाती हैं और चारों ओर हरियाली फैल जाती है।

यह ऋतु किसानों के लिए वरदान है, बारिश से फसलें उगती है। हमें पीने और सिंचाई के लिए पानी मिलता है।

बच्चे बारिश में भीगना और कागज की नाव चलाना पसंद करते हैं। गर्मी से राहत भी मिलती है।

वर्षा ऋतु जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल धरती को हरा करती है, बल्कि हमें खुशियाँ भी देती है।

9. **मेरा प्रिय त्योहार**—भारत त्योहारों का देश है। यहाँ अनेक त्योहार मनाए जाते है। मुझे दीपावली सबसे अधिक पसंद है।

दीपावली कार्तिक महीने में आती है। इस दिन भगवान राम 14 वर्षों का वनवास पूरा करके अयोध्या लोटे थे। तभी से यह त्योहार दीयों का त्योहार कहलाता है।

लोग दीपावली के पहले अपने घरों की सफाई करते हैं और सजाते हैं। बाजारों में रौनक होती है। मिठाईयाँ और नये कपड़े खरीदे जाते हैं।

इस दिन लोग लक्ष्मी माता की पूजा करते है। घरों में दीपक और रोशनी होती है। रात को पटाखे जलाए जाते हैं।

दीपावली रोशनी और खुशियों का त्योहार है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, इसलिए यह मेरा प्रिय त्योहार है।

पाठ -21
कहानी-लेखन

आओ करें—

अब लिखिए (लेखन कौशल):

छात्र-छात्राएँ स्वयं लिखे।

जाँच-पत्र—(1)

1. भाषा अपने विचारों तथा भावों के एक-दूसरे तक पहुँचाने के साधन को कहते हैं।
2. संयुक्त व्यंजनों के नाम- क्ष, त्र, ज्ञ तथा श्र हैं।
3. रचना के आधार पर शब्दों के तीन भेद हैं—

   (i) रूढ़ (ii) यौगिक तथा (iii) योगरूढ़।
4. संज्ञा के तीन भेद हैं—

   (i) व्यक्तिवाचक संज्ञा

   (ii) जातिवाचक संज्ञा

   (iii) भाववाचक संज्ञा

5. जो शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किये जाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं।
6. सार्वनामिक विशेषण संज्ञा से पहले आकर संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्दों को कहते हैं।

(ब) 1. (iii) य, र, ल, व (✓)
2. (ii) भावचावक (✓)
3. (i) क्रिया से (✓)

(स) 1. मौखिक 2. तीन
3. गहरी 4. सकर्मक
5. पुरुष 6. बहुवचन

(द) 1. **देशज शब्द** – खटिया, पेट,..... .....।
2. **विदेशी शब्द** – आजाद, कैंची, स्कूल, ...।
3. **तत्सम शब्द** – हस्त, सर्प, क्षेत्र,.....।
4. **तद्भव शब्द** – आग, पत्ता, दही,.....।

(य) 1. मोर 2. मास्टरनी
3. सेठ 4. नागिन
5. ठकुराइन 6. पंडित

जाँच पत्र–(2)

(अ) 1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ इनका सम्बन्ध पता चलता है, उसे कारक कहते हैं।
2. क्रिया-विशेषण क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को कहते हैं तथा ये चार प्रकार के होते हैं–
(i) स्थानावाचक, (ii) कालवाचक
(iii) रीतिवाचक, (iv) परिमाणवाचक
3. प्रश्नवाचक – क्या राम घर जाता है? तथा पूर्णविराम – राम घर जाता है।
4. अंक = संख्या, गोद।
कर = हाथ, किरण।
लाल = पुत्र, लालरंग।
5. मुहावरा वाक्यांश होता है तथा लोकोक्ति अपने आप में पूरा वाक्य होती है।
6. पत्र दो प्रकार के होते हैं–
(i) औपचारिक तथा (ii) अनौपचारिक।

(ब) 1. (i) कर्म (✓)
2. (iii) विस्मयादिबोधक अव्यय (✓)
3. (iv) खोदा पहाड़ निकली चुहिया (✓)

(स) 1. (✓) 2. (✗)
3. (✓) 4. (✗)
5. (✗) 6. (✓)

(द) 1. जंगल में एक नीम का पेड़ था। उस पर एक गिलहरी और एक कौआ रहता था। एक बार दोनों ने खेती करने के लिए एक खेत ले लिया। गिलहरी परिश्रमी थी। उसने खेत जोतकर बीज बो दिये और समय पर खेतों में पानी भी दे दिया। जब फसल तैयार हो गयी तो गिलहरी ने उसे काटकर कौए से फसल बाँटने के लिए कहा परन्तु कौआ आलसी था बैठा रहा। गिलहरी ने फसल को दो भागों में बाँटकर अपने हिस्से का अनाज सुरक्षित रखा दिया। आलस के कारण कौए का अनाज वहीं पड़ा रहा। एक दिन जोर की बारिश आयी और कौए का सारा अनाज बह गया। कौआ पेड़ पर बैठकर पछताता रह गया।

(य) रूपरेखा के आधार पर छात्र-छात्राएँ निबन्ध स्वयं लिखें–

I. 1. प्रस्तावना
2. व्यायाम क्यों?
3. व्यायाम के विविध रूप
4. व्यायाम और स्वास्थ्य
5. उपसंहार

अथवा

II. 1. प्रस्तावना
2. वर्षा ऋतु का आगमन
3. वर्षा ऋतु के विविध दृश्य
4. वर्षा ऋतु से लाभ-हानि
5. उपसंहार

❑❑